Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक-31 गुरूवार,01 दिसम्बर 2022, पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

सबसे बड़ा चिकित्सक तुम्हारी मन है। जब तक वह न चाहेगा, तुम स्वस्थ नहीं हो सकते।

- धम्मपद-

विधायक थे फिर भी बिजली चोरी की!

पूर्व सपा नेता को अब सात साल की सजा

मुरादाबाद, 30 नवम्बर 2022। एमपीएमएलए कोर्ट ने पूर्व सपा विधायक और मंत्री हाजी इकराम कुरैशी को सात साल की सजा सुनाई है। उन पर थाना गलशहीद में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी का मामले दर्ज किया गया था। कुरैशी पर बिजली चोरी और बिल की फर्जी रसीद बनाने का आरोप है। हाजी इकराम कुरैशी को न्यायिक अभिरक्षा में लिया गया है। उनके साथ मुकदमे में सह आरोपी बनाए गए बिजली विभाग के एसएसओ राम अवतार शर्मा को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

उन पर लगे आरोपों में कहा गया था कि विधानसभा देहात के विधायक हाजी इकराम कुरैशी के ऊपर बिजली का 6 लाख 88 हजार रुपये का बिल बकाया था। इसे जमा न करके इकराम कुरैशी और बिजली विभाग के एसएसओ राम अवतार शर्मा ने मिलकर नकली रसीद बना ली। इसे गबन और धोखाधड़ी मानते हुए उन पर आरोप लगाए गए थे।लेकिन विभागीय जांच में पाया गया कि रसीद पर पाए राम अवतार शर्मा के साइन भी नकली हैं।

सपा छोड़ कांग्रेस में आए थे

समाजवादी पार्टी के मजबूत स्तंभ माने जाने वाले हाजी इकराम कुरैशी ने जनवरी 2022 में सपा से किनारा कर लिया था। मुरादाबाद देहात विधान सभा क्षेत्र से विधायक हाजी इकराम कुरैशी टिकट काटने और अपने विरोधी नासिर कुरैशी को दिए जाने से नाराज थे। इसके बाद हरी इकराम कुरैशी ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया।

इन धाराओं में सुनाई गई सजा

1. आईपीसी की धारा 420 में हाजी इकराम कुरैशी को 5 साल के कारावास और 2 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। जुर्माना अदा नहीं करने पर उन्हें 15 दिन का अतिरिक्त कारावास काटना होगा।
2. आईपीसी की धारा 467 में हाजी इकराम कुरैशी को अदालत ने 7 साल के कारावास और 2 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। इसमें भी जुर्माना नहीं भरने पर 15 दिन की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।
3. आईपीसी की धारा 468 में कोर्ट ने हाजी इकराम कुरैशी को 5 वर्ष की कैद और 2000 रुपये जुर्माने से दंडित किया है। जुर्माना नहीं देने पर 15 दिन और जेल में गुजारने होंगे।
4. आईपीसी की धारा 471 में कोर्ट ने हाजी इकराम कुरैशी को 2 वर्ष की कैद और 2000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। जुर्माना नहीं देने पर यहां भी 15 दिन की जेल ज्यादा काटनी होगी।

मुख्यमंत्री के घर के बाहर जमकर बवाल, मची अफरा-तफरी,हालात पर काबू पाने पुलिस ने किया लाठी चार्ज

पंजाब, 30 नवम्बर 2022। पंजाब के संगरूर में मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास के बाहर बुधवार (30 नवंबर, 2022) को जबरदस्त बवाल हुआ। मजदूर संघ के लोग विभिन्न मांगों को लेकर जब मार्च निकाल रहे थे, तभी पुलिस को हालात काबू करने के लिए लाठी चार्ज करना पड़ गया। इस बीच, वहां अफरा-तफरी और भगदड़ की नौबत देखने को मिली।

टीवी चैनलों ने कवरेज के दौरान हंगामे के जो विजुअल्स दिखाए, उनमें संघ के लोग झंडे लहराते, नारेबाजी करते, चिल्लाकर विरोध जता रहे थे, जबकि इस दौरान पुलिस वाले उन्हें संभालने की पुरजोर कोशिशों में जुटे थे।

इस बीच, सूत्रों के हवाले से कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि प्रदर्शनकारी इस बात की मांग पर अड़े थे कि उनकी दिहाड़ी को बढ़ाकर 700 रुपए किया जाएगा। वे इसके अलावा पांच मारला जमीन भी चाहते हैं।

सोशल मीडिया पर जब मजदूर संघ के लोगों पर पुलिस की ओर से लाठी भांजने का वीडियो सामने आया तब कुछ लोग इसे देखकर हैरान रह गए। ट्विटर पर @AnshumanSail के हैंडल से लिखा गया- आप सरकार लोगों के साथ ऐसा सलूक कर रही है। ऐसा तब हो रहा है, जब पंजाब के पार्ट-टाइम सीएम गुजरात में खाली कुर्सियों वाली सभाओं में भाषण देने में व्यस्त हैं।

उधर, संगरूर के एसएसपी सुरिंदर लांबा ने दावा किया कि कोई लाठीचार्ज नहीं किया गया। विरोध शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। प्रदर्शनकारियों के एक आक्रामक गुट ने हाथापाई की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें नियंत्रित किया। हमने उनकी मांगों का संज्ञान लिया है।

भाजपा की रंगदारी से तंग आ चुके व्यापारी, निकालने में करेंगे मदद : सिसोदिया

नई दिल्ली, 30 नवम्बर 2022। मसीडी चुनाव से पहले बुधवार को एक जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि भाजपा व्यापारियों से पैसे वसूलती है और मनमाने ढंग से रूपांतरण शुल्क लगाती है। लेकिन, पिछले 15 साल में पार्किंग की उचित सुविधा मुहैया कराने में असमर्थ रहा है। सिसोदिया ने कहा कि पार्टी ने कई सीलिंग अभियान चलाए और कई व्यवसायों को बंद करने की कोशिश की. उन्होंने कहा, व्यापारी अब इससे तंग आ चुके हैं। अगर आप सात दिसंबर को होने वाले एमसीडी चुनाव जीतती है, तो हम व्यापारियों को इस अभिशाप से छुटकारा दिलाने में मदद करेंगे।

सिसोदिया ने लक्ष्मी नगर, कृष्णा नगर और पटपड़गंज के विभिन्न वार्डों में पदयात्राएं कीं और लोगों के सामने आ रही नागरिक समस्याओं पर बातचीत की। उन्होंने उनसे इस बार आम आदमी पार्टी को वोट देने और दिल्ली नगर निगम में भाजपा के 15 साल के कुशासन को खत्म करने की अपील की।

उन्होंने कहा पूरी दिल्ली में हर दिन लोग अपने दिन की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करने की उम्मीद करते हैं, लेकिन इसके बजाय वे अपने घर से बाहर निकलते हैं और अपने दरवाजे के आसपास कचरे के ढेर देखते हैं। यह सब भाजपा के कुप्रबंधन के कारण है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एमसीडी में भाजपा की अक्षमता के बारे में उन्होंने दावा किया।

बीजेपी ने पिछले पांच सालों में कभी कचरा प्रबंधन को अपना कर्तव्य नहीं माना है. उन्होंने कहा कि उनका मुख्य एजेंडा हमेशा जनता से पैसे ऐंठना रहा है। सिसोदिया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के पिछले 15 वर्षों के कुशासन ने दिल्ली के लोगों से स्वच्छता का अधिकार छीन लिया है और राष्ट्रीय राजधानी को कूड़ेदान में बदल दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर भाजपा एक बार फिर एमसीडी में सत्ता में आती है तो वह विकास पर ध्यान देने के बजाय केवल उधार माफिया की दरों में वृद्धि करेगी और कहा कि जनता ने मन बना लिया है कि वे आप को रोकने के लिए चुनाव लड़ेंगी।

7 फेरों से पहले दोस्तों के साथ शराब पीने लगा दूल्हा,वापस लौटा तो कैंसिल हो गई शादी

हल्द्वानी, 30 नवम्बर 2022। शादी के जश्न में दूल्हे और उसके दोस्तों का अलग ही स्वैग होता है। दोस्त न हों तो महफिल में रंग नहीं जमता, लेकिन ऐसी भी क्या दोस्ती जो दोस्त की शादी ही तुड़वा दे। हल्द्वानी में यही हुआ। यहां शादी समारोह के दौरान दोस्तों ने दूल्हे को शराब पिला दी। दूल्हा भी एक नंबर का शराबी निकला। शराब का सुरूर सिर पर तारी हुआ तो दूल्हे ने समारोह में हंगामा करना शुरू कर दिया। ऐसा उत्पात मचाया की दुल्हन भी बिफर गई और उसने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। घटना हल्द्वानी के बिठोरिया इलाके की है, जहां दूल्हे की एक हरकत ने शादी तुड़वा दी। दूल्हे समेत पूरी बारात को बिना दुल्हन लिए वापस लौटना पड़ा। जानकारी के मुताबिक बिठोरिया इलाके में रहने वाले युवक की शहर में रहने वाली अमिता (बदला हुआ नाम) से शादी तय हुई थी। रविवार रात गैस गोदाम रोड में मौजूद एक हॉल में शादी का कार्यक्रम था। दूल्हा सज-धज कर, घोड़ी चढ़कर दुल्हन अमिता को लेने पहुंचा।

दुल्हन पक्ष के लोगों ने भी खूब आवभगत की, लेकिन जैसे ही जयमाला की रस्म शुरू हुई, दूल्हे ने अपना आपा खो दिया। दूल्हा नशे में धुत था। उसने और उसके दोस्तों ने जयमाला के स्टेज पर ही हंगामा शुरू कर दिया। खैर जैसे-तैसे दुल्हन पक्ष के लोगों ने मामला संभाल लिया और जयमाला की रस्म पूरी कराई, लेकिन रस्म के निपटते ही दूल्हा अपने दोस्तों संग फिर से शराब पीने चला गया। दूल्हे की ये हरकत दुल्हन को इस कदर नागवार गुजरी, कि उसने शादी से ही इनकार कर दिया। वधू पक्ष का आरोप है कि शराबी दूल्हे के साथ ही उसके जीजा और दोस्तों ने खाने को लेकर हंगामा किया। दूल्हा शादी के एवज में पांच लाख रुपये कैश और एक कार देने की डिमांड भी कर रहा था। इतना ही नहीं दूल्हे ने खाना खराब होने की शिकायत कर अपने दोस्तों की पार्टी के लिए पैसे भी मांगे। दूल्हे की इन हरकतों के चलते दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया, जिसके बाद बारात बिना दुल्हन लिए वापस लौट गई।

एक ही परिवार की 6 लोगो की जलकर मौत,शार्ट सर्किट से लगी थी आग

जसराना, 29 नवम्बर 2022। थाना जसराना क्षेत्र के पाढ़म स्थित एक मकान में भीषण आग से दम घुटने और जलने से एक ही परिवार के 6 लोगो की मौत हो गई, जबकि तीन लोगों को बचा लिया गया है। जांच में पता चला है कि मकान में इन्वर्टर की बैटरी चार्ज करने का पैनल लगा था, जिस पर करीब 80 बैटरियां चार्ज हो रही थी। इन बैटरियों में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

पाढ़म निवासी रमन प्रकाश का बाजार में ही दो मंजिला घर है। ग्राउंड फ्लोर पर उनकी इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर और ज्वेलरी की दुकानें हैं, पहली मंजिल पर वह परिवार के सदस्यों के साथ रहते हैं। आठ बजे के करीब मकान से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते दोनों तल आग की लपटों में घिर गए। इससे परिवार के किसी भी सदस्य को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। पुलिस और प्रशासन कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गया, लेकिन दमकल की गाड़ियां घंटे भर देरी से पहुंची। फायर कर्मियों के आने के बाद आग बुझाने का काम शुरू हुआ। आग कम होने पर मकान में तलाशी अभियान चलाया गया।

करीब सवा दस बजे रात को एक-एक करके छह शव बाहर निकाले गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मकान में रमन प्रकाश के अलावा पुत्र मनोज और उनकी पत्नी नीरज, छोटे पुत्र नितिन व उनकी पत्नी शिवानी और तीन बच्चे रह रहे थे। नितिन कस्बे में ही किसी कार्यक्रम में गया हुआ था, जबकि पिता रमन प्रकाश अपने गांव नगला इमलिया गए हुए थे। आग की सूचना मिलते ही नितिन घर पहुंचा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूरी घटना की जानकारी लेकर अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लेन के निर्देश दिए हैं। वहीं साथ ही दो-दो लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार कर रही है प्रयास:तोमर

नई दिल्ली, 30 नवम्बर 2022। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को छोटे किसानों के जीवन में सुधार लाने पर जोर दिया और कहा कि सरकार उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है।

मंत्री यहां दूसरे फिक्की सस्टेनेबल एग्रीकल्चर समिट और अवॉर्ड्स को संबोधित कर रहे थे। यह कहते हुए कि भारत मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान देश है, तोमर ने कहा कि यह सरकार और लोगों का कर्तव्य है कि वे खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाएं। मंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले आठ वर्षों में कृषि क्षेत्र पर एक समग्र दृष्टिकोण लिया है और कृषि फसलों की उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इनपुट लागत कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए भी प्रयास कर रही है।

तोमर ने बताया कि कुल किसानों में से 86 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, ÷उनकी स्थितियों में सुधार की जरूरत है।÷

छोटे किसानों की आय को बढ़ावा देने के लिए, मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना कर रही है और एक लाख करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचा कोष की भी घोषणा की है। पशुपालन क्षेत्र के लिए भारी केंद्रीय परिव्यय वाली नई योजनाएं शुरू की गई हैं।

बीएसएफ ने 2022 में रिकॉर्ड 16 ड्रोन मार गिराए,खतरे को रोकने के लिए ड्रोन-विरोधी प्रणाली,गहन गश्त प्रमुख कदम

नई दिल्ली, 30 नवम्बर 2022। भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ती ड्रोन चुनौती के बीच, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने इस साल अब तक रिकॉर्ड 16 ड्रोन मार गिराए हैं और इस खतरे से निपटने के लिए बल ने ड्रोन-रोधी प्रणाली और गहन गश्त को अपनाया है। जो सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है।

वार्षिक प्रेस ब्रीफिंग के मौके पर एएनआई से बात करते हुए, बीएसएफ के महानिदेशक पंकज सिंह ने कहा कि बल ने अभी तक ड्रोन के मोर्चे पर पूरी सफलता हासिल नहीं की है, लेकिन बल द्वारा अपनाए गए तीन-चार उपायों के कारण इस साल बड़ी उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

÷जैसा कि हम ड्रोन के मामले में सीमा पर नई चुनौती देखते हैं, अगर हम इस मुद्दे के बारे में एक बार में बात करते हैं तो हमें अभी तक उस स्तर पर सफलता नहीं मिली है। इसलिए हमने तीन-चार तरीके आजमाए हैं और यह बहुत अच्छा दे रहा है।÷ परिणाम, ÷बीएसएफ डीजी ने कहा।

÷हमने कुछ विशिष्ट स्थानों (भारत-पाकिस्तान सीमा के साथ) पर कुछ ड्रोन-रोधी प्रणालियाँ स्थापित की हैं। चूंकि सीमा बहुत चौड़ी है, सभी स्थानों पर एक ड्रोन-विरोधी प्रणाली स्थापित नहीं की जा सकती है। यह प्रणाली एक से अधिक स्थानों पर स्थापित की जाएगी।÷ एक - एक करके।÷

इसके अलावा, सिंह ने कहा कि बीएसएफ ने तीन-चार किलोमीटर की गहराई से गश्त शुरू की है ताकि इन ड्रोनों द्वारा गिराए गए अवैध सामानों को उठाने की कोशिश करने वाले व्यक्ति को पकड़ा जा सके।

÷हमने इन ड्रोन को शूट करने वाले अपने जवानों को बहुत अच्छा प्रोत्साहन भी दिया है। इन प्रयासों के कारण, हमने इस साल नवंबर तक 16 ड्रोन मार गिराए हैं, जबकि पिछले साल केवल एक ड्रोन को मार गिराया गया था। बल द्वारा मार गिराए गए ड्रोन की संख्या इस साल के अंत तक 25 तक बढ़ सकता है,÷ उन्होंने कहा।

यह पूछे जाने पर कि क्या बीएसएफ द्वारा मार गिराए गए ड्रोन चीनी हैं या स्थानीय रूप से निर्मित हैं, सिंह ने कहा कि ड्रोन बाजार में उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा, ÷कोई भी इन ड्रोन को बाजार से खरीद सकता है और अगर वह अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उसका उसी के अनुसार इस्तेमाल करें।÷

सिंह ने कहा कि बड़े ड्रोन का इस्तेमाल भारी मात्रा में ड्रग्स या हथियार और गोला-बारूद की तस्करी के लिए किया जाता है। सिंह ने दो दिन पहले बीएसएफ द्वारा मार गिराए गए बड़े ड्रोनों का उदाहरण देते हुए कहा कि वे ÷गढ़े हुए÷ ड्रोन थे और ÷स्थानीय स्तर÷ पर निर्मित किए गए थे।

उन्होंने कहा, ÷ड्रोन बनाने के लिए प्रोपेलर और पंख बाजार में उपलब्ध हैं।÷

बीएसएफ की महिला कर्मियों ने सोमवार को पंजाब में अमृतसर (ग्रामीण) जिले के चाहरपुर गांव के पास 18.050 किलोग्राम वजनी एक हेक्साकॉप्टर ड्रोन को उस समय मार गिराया, जब यह पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर रहा था। ड्रोन में 3.110 किलो नशीला पदार्थ था।

बीएसएफ डीजी ने यह भी बताया कि इन ड्रोन के चिप विश्लेषण से जानकारी जुटाई जा सकती है।

उन्होंने कहा, ÷ड्रोन में चिप्स के विश्लेषण से हम इसके द्वारा लिए गए मार्ग और इसके उड़ान क्षेत्र के साथ-साथ इसकी उत्पत्ति के बारे में विवरण प्राप्त कर सकते हैं। इन ड्रोन में प्रयुक्त चिप्स के विश्लेषण के बाद हमें और सफलता मिलेगी।÷ .

÷हम (बीएसएफ) ड्रोन विरोधी मोर्चे पर काफी कुछ कर रहे हैं। हमने सीमाओं पर सिस्टम तैनात किए हैं जो बहुत प्रभावी और उपयोगी हैं। हम इन ड्रोनों का पता लगाने के लिए नई तकनीक का भी परीक्षण कर रहे हैं और हमने हाथ मिलाया है। अतिरिक्त तैनाती के लिए राज्य पुलिस।÷

प्रेग्नेंट हैं मलाइका अरोड़ा?... सुनकर भड़के अर्जुन कपूर, बोले-पर्सनल लाइफ से खेलने की हिम्मत मत करना

मुंबई, 30 नवम्बर 2022। मलाइका अरोड़ा के प्रेग्नेंट होने की खबर को लेकर अर्जुन कपूर भड़क उठे है। सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस बात का खंडन करते हुए बोले ये सबसे निचला स्तर है जहां तक कोई गिर सकता है और आप ये सब कैजुअली कर रहे हैं। इस तरह की कचरा खबरें चलाना बेहद अनैतिक और असंवेदनशील है। कुछ लोग इस तरह की खबरें लगातार चला रहे हैं और बच जा रहे हैं क्योंकि हम हर बार इसे नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि ये इन खबरों को खूब सर्कुलेट करते हैं और इसे सच बताते हैं। ये ठीक नहीं है। हमारी पर्सनल जिंदगी से खेलने की हिम्मत मत करना।

दरअसल, हाल ही में ये खबर आई थी कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर जल्द माता-पिता बन सकते हैं। वारयल रिपोर्ट्स में ये भी बताया गया कि अक्टूबर में जब अर्जुन और मलाइका लंदन गए थे, तब मलाइका ने अपने करीबियों के साथ प्रेग्नेंसी की खबर शेयर की थी। यह खबर बॉलीवुड इंडस्ट्री में जमकर फैली। हर तरफ सिर्फ मलाइका और अर्जुन के ही चर्चा होने लगे। ऐसे में अपने और मलाइका को लेकर उड़ रही इस अफवाह पर अर्जुन कपूर ने रिएक्ट किया है और बताया कि आखिर सच क्या है।

अभिनेता ने पोस्ट में लिखा है, इससे नीचे और नहीं गिर सकती आप और आपने ऐसा इसलिए किया है क्योंकि आप कैसुअल हो। यह इंसेंसिटिव होने के साथ अनएथिकल कूड़ा समाचार है। यह रिपोर्टर लगातार इस प्रकार की खबरें लिखकर बच निकलती है और लगातार छपने के कारण इन खबरों को सच मान लिया जाता है। यह ठीक नहीं है। हमारी व्यक्तिगत भावनाओं के साथ खेलना बंद करों। इस मलाइका अरोड़ा के दोस्तों और उनके फैंस में इस खबर को लेकर काफी उत्साह था। मलाइका अरोड़ा की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर काफी पसंद की जाती है। वह सोशल मीडिया पर भी काफी फेमस है।

एक्टर ने पोस्ट से इतना तो साफ कर दिया है कि मलाइका अरोड़ा की प्रेग्नेंसी की खबरों में कोई भी सच्चाई नहीं है। अर्जुन ने लोगों से अपील भी की है कि वो इस तरह की बेकार की खबरें ना फैलाएं।

वहीं मलाइका अरोड़ा की बात करें तो इस बीच अपने आगामी शो को लेकर बिजी है। वह मूव इन विथ मलाइका नामक शो को भी प्रमोट कर रही है जो कि ओटीटी प्लेटफार्म पर जल्द रिलीज होगा। वहीं वह आयुष्मान खुराना की फिल्म में डांस नंबर भी करती नजर आएंगी।

चुनाव से पहले विधायक जहाज से कूदे

एनपीपी विधायकों के विधानसभा से इस्तीफा देने पर मुख्यमंत्री ने कहा

शिलांग, 30 नवम्बर 2022। विधायक विधानसभा से इस्तीफा देते हैं और चुनाव से पहले जहाज से कूदते हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने यह बात कही। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा सत्तारूढ़ एनपीपी के दो विधायकों समेत तीन विधायकों के हाल ही में विधानसभा से इस्तीफा देने पर प्रतिक्रिया दे रहे थे.

मेघालय में सत्तारूढ़ एनपीपी के दो विधायकों और टीएमसी के एक विधायक ने सोमवार को विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था।

÷यह ठीक है। विधायक चुनाव से पहले जहाज कूदते हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और वे किसी भी राजनीतिक दल से चुनाव लड़ सकते हैं।%

मेघालय में विधानसभा चुनाव 2023 के पहले चरण में होने हैं।

विधानसभा से इस्तीफा देने वाले मेघालय के तीन विधायक हैं- फेरलिन संगमा और बेनेडिक मारक (एनपीपी) और एचएम शांगप्लियांग (टीएमसी)।

तीनों के दिसंबर के पहले सप्ताह में नई दिल्ली में भाजपा में शामिल होने की उम्मीद है।

संपादकीय

समीक्षा पर स्पष्टता चाहिए

अगर करोड़ों लोग मनरेगा को अपने लिए सहारा मानते हैं, तो सरकार को इसके मौजूदा स्वरूप की समीक्षा करने के बजाय अपनी आर्थिक नीतियों और उनके परिणामों पर पुनर्विचार करना चाहिए।

किसी योजना की एक खास अवधि के बाद समीक्षा की जाए, यह उचित ही है। इसलिए महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) के अब तक के अनुभवों का आकलन केंद्र करे, तो उसमें समस्याग्रस्त बात नहीं होगी। लेकिन समस्या उस सोच में जरूर है, जो समीक्षा का कारण बताते हुए कही गई है। केंद्र सरकार की तरफ से जो कहा गया है, उसका सार यह है कि मनरेगा बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे गरीब राज्यों में गरीबी खत्म करने का सहारा नहीं बना है, जबकि केरल जैसे अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों ने इसका बेहतर इस्तेमाल किया है। कहा गया है कि केरल जैसे राज्य इस योजना का उपयोग कर अपने यहां संपत्ति निर्मित कर रहे हैं, जबकि बिहार और उप्र में इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया है। केंद्र के अधिकारियों ने कहा है कि ऐसा होने के बावजूद चूंकि कानून के मौजूदा स्वरूप के कारण केंद्र केरल जैसे राज्यों को आवंटित होने वाले धन में कटौती नहीं कर सकता, इसलिए अब इस पूरी योजना की समीक्षा की जरूरत है। जाहिर है, इन बातों से संकेत मिलता है कि केंद्र आर्थिक और मानव विकास के पैमों पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले (खास कर दक्षिणी) राज्यों को मनरेगा के तहत मिलने वाले धन से वंचित करना चाहती है। इसके पहले पिछले वित्त आयोग के गठन के समय भी ऐसा हुआ था, जब केंद्र ने धन आवंटन की कसौटी में परिवर्तन कर आबादी को आवंटन का आधार बना दिया था। स्पष्टतः इस सोच से जहां दक्षिणी राज्यों में अपने साथ भेदभाव होने का भाव पैदा होगा, वहीं यह सवाल उठेगा कि क्या बेहतर प्रदर्शन को दंडित किया जाना चाहिए? वैसे यह भी स्पष्ट करने की जरूरत है कि मनरेगा का उद्देश्य गरीबी हटाना है या इसे अत्यंत गरीब श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के उपाय के रूप में शुरू किया गया था? आदर्श स्थिति यह है कि मनरेगा जैसे उपायों की जरूरत ही ना रहे। इसके बावजूद अगर देश में करोड़ों लोग इस योजना को अपने लिए सहारा मानते हैं, तो उचित यह होगा कि सरकार को इसके मौजूदा ढांचे की समीक्षा करने के बजाय अपनी आर्थिक नीतियों और उनके परिणामों पर पुनर्विचार करे। वरना, इस समीक्षा पर सवाल तो उठेंगे।

संजीवनी

संजीव ठाकुर,
,रायपुर, छ,ग,

मीठा विश्वास है झूठे वायदे का
यह लेनदेन है बहुत फायदे का
वह धंधा करता है मुखौटों का
कारोबार है बहुत फायदे का
सच के बीच भी लोग फरेब करते हैं
यह चलन भी है बहुत कायदे का
यहां कौन सच्चा है कौन झूठाहै।।
काम निकालते डराकर सबूत कायदे का ।।
सियासत अवाम के बीच आ जाती हैं
पुलिंदा लेकर बड़े अकूत वायदे का।।
सच गुम है झूठ के बवंडर में संजीव।
फरेबी फायदे ले जाते हैं साबुत
कायदे का।।

जिन्दगी

आर.प्रभात गौर
नेवादा जंघई प्रयागराज
उत्तर प्रदेश

टेढ़ी मेढ़ी सड़क है जिन्दगी।
खुद बस में कहाँ है जिन्दगी।
चाहकर रूकती नहीं जिन्दगी।
वक्त जैसे गुजरती है जिन्दगी।
मुट्ठी भर रेत सी है जिन्दगी।
धीरे-धीरे फिसलती जिन्दगी।
मोम जैसी पिघलती जिन्दगी।
दीप जैसे जलती है जिन्दगी।
शून्य से शुरू होती है जिन्दगी।
क्रमशः घटती जाती है जिन्दगी।
पुष्प जैसी कभी थी ये जिन्दगी।
सूखे पत्तो से अब हुई जिन्दगी।
धूप में जैसे तपती है जिन्दगी।
सरिता जैसी बहती है जिन्दगी।
एक दिन सहस रूकती जिन्दगी।
फिर कभी ना चलती है जिन्दगी।

सतर्कता से कमीशन खाता हूं

किशन सनमुखदास
भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

किसी को बताना मत राज़ बतलाता हूं
डिजिटल की कमजोरी बतलाता हूं
डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर देता हूं
परंतु सतर्कता से कमीशन खाता हूं
हितधारकों को पहले ही बतलाता हूं
हरे गुलाबी चाय पानी लगेगी बताता हूं
ट्रांसफर होने के बाद देना विश्वास करता हूं
सतर्कता से कमीशन खाता हूं
बाबू हूं मिलीभगत का फायदा उठाता हूं
कार्यवाही नहीं होगी आश्वासन पाता हूं
हिस्सेदारी ऊपर इमानदारी से पहुंचाता हूं
सतर्कता से कमीशन खाता हूं
किसानों से धान खरीदी राज़ बतलाता हूं
जाली खरीदी रजिस्ट्रेशन करवाया हूं
फोटो खींचने में घालमेल करवाता हूं
सतर्कता से कमीशन खाता हूं
पंगा मत लेना बाबू हूं काम लटकाता हूं
फाइल गुम करने में एक नंबर हूं बतलाता हूं
खाओ और खाने दो का ज्ञान बाटता हूं
सतर्कता से कमीशन खाता हूं

एचआईवी संक्रमण से बचने के लिए जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

एचआईवी संक्रमण के प्रसार को रोकने तथा एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 1988 के बाद से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है। हालांकि शुरूआती दौर में इस दिवस को केवल बच्चों तथा युवाओं से ही जोड़कर देखा जाता था किन्तु बाद में एड्स पर हुए कई शोधों से पता चला कि एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। इस साल हम 35वां एड्स दिवस मना रहे हैं और यह दिवस इस बात का मूल्यांकन करने का अवसर है कि एड्स मुक्त दुनिया के वादे को पूरा करने में हम फिलहाल किस ट्रैक पर हैं। वैसे संयुक्त राष्ट सतत विकास लक्ष्य को पारित करते हुए भारत सहित दुनिया के 194 देशों ने वर्ष 2030 तक 'एड्स मुक्त दुनिया' का वादा किया है और भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में भी यह वादा दोहराया गया है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में एचआईवी से संक्रमित होने वालों की संख्या में लगातार कमी आ रही है लेकिन फिर भी स्थिति बहुत ज्यादा बेहतर नहीं कही जा सकती। दिल्ली नेटवर्क ऑफ पॉजिटिव पीपल के सह-संस्थापक रहे लून गांगटे का यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियों के कारण और सामुदायिक अनुभव से यह सर्वविदित है कि एचआईवी के साथ जीवित व्यक्ति सामान्य ज़िंदगी जी सकता है तो 2020 में 6.8 लाख लोग एड्स संबंधित रोगों से कैसे मारे गए? वैज्ञानिक शोधों के कारण आज हमारे पास एचआईवी संक्रमण से बचाव के तरीक़े हैं, फिर भी 2020 में 15 लाख नए लोग कैसे एचआईवी से संक्रमित हो गए? उनका कहना है कि यदि हम एचआईवी नियंत्रण और प्रबंधन में कार्यसाधकता नहीं बढ़ाएंगे तो 2030 तक कैसे दुनिया को एड्स मुक्त करेंगे?

जहां तक एड्स के इतिहास की बात है तो माना जाता है कि सबसे पहले 19वीं सदी में अफ्रीका के खास प्रजाति के बंदरों में एड्स का वायरस मिला था और बंदरों से यह रोग इंसानों में फैला। दरअसल उस समय अफ्रीका में लोग बंदरों को खाया करते थे। इसीलिए माना गया कि कि बंदर खाने से यह वायरस किसी मनुष्य के शरीर में प्रविष्ट हुआ होगा। 1920 में यह बीमारी सबसे पहले अफ्रीका के कांगो की राजधानी किंसास में फैली थी। वैसे सबसे पहले एचआईवी वायरस 1959 में कांगो के एक बीमार व्यक्ति के रक्त के नमूने में मिला था, जिसे पहला एचआईवी संक्रमित व्यक्ति माना गया था। यह भी माना जाता है कि उस जमाने में कांगो की राजधानी किंसास सैक्स ट्रेड का गढ़ थी, जहां से शारीरिक संबंधों के जरिये यह बीमारी अन्य देशों में पहुंची और 1960 में अफ्रीका के हैती तथा कैरीबियाई द्वीप में फैली। 1970 के दौरान यह वायरस कैरीबिया से न्यूयार्क शहर में फैला और फिर अमेरिका से दुनिया के अन्य हिस्सों में पहुंचा।

1981 में लॉस एंजिल्स के डा. माइकल गॉटलीब ने पांच मरीजों में एक अलग किस्म के निमोनिया की पहचान की। सभी पांचों मरीज समलैंगिक थे, जिनमें रोग से लड़ने वाला तंत्र एकाएक कमजोर पड़ गया था, इसीलिए उस समय डॉक्टरों को लगा कि यह केवल समलैंगिकों में ही होने वाली कोई बीमारी है लेकिन जब बाद में जब दूसरे लोगों में भी यह वायरस मिला तो उन्हें अहसास हुआ कि उनकी धारणा गलत है। उसके बाद इस बीमारी से पीड़ित मरीजों का अध्ययन करने के पश्चात् अमेरिका के सेंटस फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने पहली बार 1982 में इस बीमारी के लिए 'एड्स' (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिसिएंशी सिंड्रोम) शब्द का इस्तेमाल किया और फ्रांस के पाश्चर इंस्टीच्यूट के दो वैज्ञानिकों ल्यूक मॉन्टेगनियर तथा फ्रैंकोइस बर्रे सिनूसी ने 1983 में एड्स से पीड़ित रोगी की सूजी हुई लिम्फ ग्रंथि से एक वायरस की खोज की, जिसे उन्होंने 'एलएवी' वायरस नाम दिया। अगले साल 1984 में अमेरिका के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के रॉबर्ट गैलो ने एचटीएलवी-3 वायरस की खोज की। 1984 में शोधकर्ताओं ने पहली बार एड्स के वायरस 'एचआईवी' (ह्यूमन इम्यूनो डेफिसिएंशी वायरस) की पहचान की। शोधकर्ताओं को गहन अध्ययन के बाद 1985 में यह पता चला कि एलएवी तथा एचटीएलवी-3 दोनों एक ही वायरस हैं, जो एड्स फैलाते हैं, जिसके बाद पहली बार 1986 में एचटीएलवी-3 तथा एलएवी वायरस का नाम बदलकर 'एचआईवी' रख दिया गया। भारत में एड्स का पहला मामला वर्ष 1986 में सामने आया था।

जहां तक 'विश्व एड्स दिवस' मनाए जाने की बात है तो इस दिवस की शुरूआत के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन में एड्स संबंधित कार्यक्रम के पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर रहे जेम्स डब्ल्यू बन तथा थॉमस नेटर का आइडिया था, जिनके दिमाग में अगस्त 1987 में यह दिवस मनाने का आइडिया आया था। दोनों ने अपने आइडिया से एड्स संबंधित प्रोग्राम के ग्लोबल डायरेक्टर डा. जोनाथन मान को अवगत कराया। डा. जोनाथन को उनका आइडिया काफी पसंद आया और उन्होंने हर साल 1 दिसम्बर को 'विश्व एड्स दिवस' मनाने की स्वीकृति प्रदान कर दी। पहली बार 1 दिसम्बर 1988 को विश्व एड्स दिवस मनाया गया, जिसे मनाने का उद्देश्य एचआईवी या एड्स से ग्रसित लोगों की मदद करना और एड्स से जुड़े मिथ को दूर करते हुए लोगों को शिक्षित करना था। अभियान के पहले दो वर्षों में परिवारों पर एड्स के प्रभाव को उजागर करने के लिए बच्चों और युवाओं के विषय पर केन्द्रित दिवस था। 1996 में यूएन एड्स ने विश्व एड्स दिवस के संचालन को अपने हाथ में ले लिया और पहल के दायरे को एक वर्ष के रोकथाम और शिक्षा अभियान तक बढ़ा दिया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2020 के अंत में दुनियाभर में करीब 37.7 मिलियन लोग एचआईवी से ग्रस्त थे, जिनमें से दो तिहाई यानी करीब 25.4 मिलियन अफ्रीकी क्षेत्र में हैं। 2020 में 6.8 मिलियन लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और डेढ़ मिलियन नए लोगों को एचआईवी हुआ। एचआईवी वास्तव में एक ऐसा वायरस है, जो शरीर में उन कोशिकाओं पर हमला करता है, जो शरीर को इंफेक्शन से लड़ने में मदद करती हैं। इससे व्यक्ति अन्य संक्रमणों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है और धीरे-धीरे एक ऐसी स्थिति आ जाती है, जब इम्यून सिस्टम पूरी तरह से काम करना बंद कर देता है। यह वायरस मानव रक्त, यौन तरल पदार्थ तथा स्तनों के दूध में रहता है और जब इसका उपचार नहीं किया जाता तो यह एड्स बीमारी का कारण बनता है। एचआईवी संक्रमण प्रायः असुरक्षित यौन संबंध, एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आए इंजेक्शन या उपकरणों को साझा करने से हो सकता है। दुनियाभर में फिलहाल एचआईवी का कोई प्रभावी इलाज मौजूद नहीं है, इसलिए एचआईवी से बचने के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है।

चीन मे स्वतंत्रता की चिंगारी

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

इन दिनों चीन में ... कोरोना शून्य नीति... के तहत लगाए गए प्रतिबंधों के विरोध में इस देश के कम से कम 13 शहरों के नवयुवक प्रदर्शनकारी हाथों में सफेद कागज लेकर अपना क्रोध तानाशाही के खिलाफ प्रकट कर रहे हैं! चीन के शिंजियांग प्रांत में एक 21 मंजिला भवन में आग लग गई! क्योंकि कोरोना प्रतिबंधों के कारण लोग बाहर नहीं आ सकते थे इसलिए उस इमारत में अवश्य कार्रवाई ना करने के कारण कम से कम 10 लोग मर गए! यहीं से नव युवकों का सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का सिलसिला शुरू हो गया! असल में जबसे 1949 में चीन आजाद हुआ है, तब से लेकर आज तक आम लोग तानाशाही के कारण दमन के तहत जीवन व्यतीत कर रहे हैं! चीन एक बंद देश है इसके बारे में बाहर की दुनिया को कुछ पता नहीं! सरकारी मीडिया जो खबर दुनिया को बताता है सिर्फ उतना कुछ ही चीन के बारे में जानकारी हासिल होती है! चीन में रहने वाले लोगों को अपने देश के बारे में भी इतना कुछ पता है जो कुछ सरकारी मीडिया उन्हें बनाता है! चीन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता तथा लोकतंत्र ढूंढने से भी नहीं मिलते! कोई भी व्यक्ति सरकारी नीतियों का विरोध नहीं कर सकता! इन दिनों चीन में कोरोना बड़ी तेजी से फैल रहा है! लगभग 4 हजार एक्टिव केस रोज सामने आते हैं! सरकार ने कोरोना के प्रति शून्य नीति अपनाते हुए कड़ाई से लॉकडाउन लगा दिया है, जिसके फलस्वरूप लंबे समय से दमन तथा प्रतिबंधों को सहन करने वाली जनता में रोजी रोटी कमाने के लाले पड़ गए हैं और वह सरकार के विरोध में कम से कम 13 शहरों में हाथों में सफेद कागज लेकर अपना क्रोध व्यक्त कर रहे हैं! इन प्रदर्शनों के और शहरों में भी फैलने की उम्मीद है! चीन के हालात ठीक नहीं है! चीन की जीडीपी कम हो रही है, नव युवकों द्वारा प्रदर्शन करने के फलस्वरूप काम धंधे पर बुरा असर पड़ने के फल स्वरुप जीडीपी और कम हो जाएगी! इसलिए सरकार इन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ लाठीचार्ज, मिर्च स्प्रे, गिरफ्तारी आदि तरीके इस्तेमाल कर रही है! चीन विदेशी मीडिया कर्मियों को इन प्रदर्शनों को कवर करने से रोकने के लिए उनको गिरफ्तार करती है, पिटाई करती है और बाद में छोड़ देती है! इन प्रदर्शनों के उग्र होने की संभावना है! चीन में फ्रीडम ऑफ प्रेस, फ्रीडम आफ एक्सप्रेशन और फ्रीडम ऑफ मूवमेंट आदि बातें ढूंढने से भी नहीं मिलती! प्रदर्शनकारी स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं और तानाशाही का विरोध कर रहे हैं, कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ नारे लगा रहे हैं और राष्ट्रपति, शी जिनपिंग की तीसरी पारी के खिलाफ विरोध प्रकट कर रहे हैं! इन प्रदर्शनों को देखकर 1989 में तियानमेन चौक पर देश के लगभग 10 लाख प्रदर्शनकारियों के एकत्रित होकर स्वतंत्रता की मांग करने और चीनी सेना द्वारा अंधाधुंध गोलाबारी तथा टैंकों द्वारा नरसंहार की बात याद आ जाती है! यहां यह बात बताना अप्रासंगिक नहीं होगा कि चीनी मीडिया ने अपने देश के लोगों को इस नरसंहार के बारे में ना तो कभी बताया था और ना ही कभी वह जान सकेंगे! लेकिन हां अंतरराष्ट्रीय बिरादरी तक इस नरसंहार तथा प्रदर्शन की खबरें जरूर पहुंच गई! 1949 में जब चीन आजाद हुआ था तब इसे पीपल रिपब्लिक ऑफ चाइना कहा जाने लगा और कम्युनिस्ट पार्टी के चेयरमैन ही देश के राष्ट्रपति तथा सर्वे सर्वा बनते थे! माओ-त्से-तुंग स्वतंत्र चीन के प्रथम राष्ट्रपति तथा कम्युनिस्ट पार्टी के चेयरमैन बने! तभी से लेकर आज तक चीन के लोग तानाशाही के तहत वही कुछ करते और कहते आए हैं जो कुछ सरकार की तरफ से उनको कहा जाता है! चीन में अलग-अलग धर्मो तथा जातियों के लोग रहते हैं! लेकिन उन्हें किसी प्रकार की कोई आजादी नहीं है! चीन में लगभग 2 करोड मुसलमान रहते हैं जिन्हें कोई धार्मिक आजादी नहीं मिली हुई, इनमें से कुछ उइगुर मुसलमान है, जो अपने आप को चीनी नहीं बल्कि तुर्क मानते हैं और अपने आप को चीनी निवासी नहीं मानते, सरकार इन्हें आतंकवादी मानती है! इन मुसलमानों पर आतंकवादी गतिविधियां रोकने के लिए कड़े प्रतिबंध लगे हुए हैं! इसका मतलब यह नहीं कि चीन में रहने वाले अन्य समुदाय के लोगों को किसी प्रकार की कोई स्वतंत्रता मिली हुई है! वो सब कड़े सरकारी नियमों तथा प्रतिबंधों के तहत रह रहे हैं!

भारतीय विदेश नीति में वैश्विक परिवार की परिकल्पना,अगला अहिंसक महाशक्ति भारत होगा

संजीव ठाकुर,
,रायपुर, छ,ग,

भारत की सकारात्मक विदेश नीति और निरपेक्ष छवि पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण तथा आदर्श की तरह सामने आई है, इसी रफ्तार से यदि भारत अपनी आंतरिक क्षमता, आर्थिक नीति तथा विदेशी संबंधों को गति देती है तो इसमें कतई संदेह नहीं कि भारत आने वाले समय में आर्थिक सामरिक और वैश्विक शांति का नेतृत्व करेगा जिसके फलस्वरूप उसे शांति महाशक्ति के रूप में पूरा विश्व स्वीकार करेगा।

विगत कुछ वर्षों की कोविड-19 महामारी के कारण पूरा विश्व अशांत एवं तनावग्रस्त रहा है। इसके तुरंत बाद तालिबान-अफगानिस्तान युद्ध में विश्व युद्ध की आशंका मंडराने लगी थी, इससे पूरा विश्व चिंता तथा तनाव के मध्य जीने लगा था इसी क्रम में रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक युद्ध की आशंका को और बलवती बना दिया है। रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन लगभग तबाही के कगार पर बैठा है और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन परमाणु बमों का इस्तेमाल करने की घोषणा ने आग में घी का काम कर दिया है। परिणाम स्वरूप अंतराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध की विभीषिका के बादल मंडराने लगे हैं। विश्व के अनेक राष्ट जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, साउथ अफ्रीका और अन्य यूरोपीय देश भारत और रूस के कई वर्षों के निरंतर घनिष्ठ संबंधों के आधार पर भारत और भारत के प्रधानमंत्री से यह आशा लगाए बैठे हैं कि वह रूस और यूक्रेन युद्ध पर मध्यस्थता कर युद्ध में विराम लाने का प्रयास करेंगे। विगत दिनों समरकंद में अंतराष्ट्रीय बैठक में मोदी ने एक-एक कर के वैश्विक नेताओं से मुलाकात कर पुतिन तथा जेलेंस्की से युद्ध विराम की अपील भी की है। ऐसे में भारत की गुटनिरपेक्षता एवं वैश्विक शांति तथा वसुधैव कुटुंबकम जैसा भारतीय दर्शन अत्यंत समीचीन एवं प्रासंगिक हो गया है। वर्तमान वैश्विक त्रासदी एवं वैश्विक अशांति के दौर में एक दूसरे की सहायता करना एवं एक दूसरे के मंतव्य, संवेदना को समझने की बड़ी आवश्यकता है। रूस और यूक्रेन के युद्ध का रुकना अब

शांति बहाली के लिए अत्यंत आवश्यक भी है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश ने लगभग 40 देशों को कोविड-19 के महामारी के दौरान कई तरह से मदद भी की है। हालांकि भारत में महामारी के दौरान यूरोपीय देशों तथा अन्य देशों ने भी अपना परिवार मानकर खुले दिल से संक्रमण से लड़ने के लिए आर्थिक एवं चिकित्सकीय सहायता प्रदान की थी। भारत की विदेश नीति में वसुधैव कुटुंबकम और वैश्विक शांति की नीति अंतराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य की गई है। इसमें दो मत नहीं कि अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति की वन टू वन बैठक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ट्रस्टीशिप की नीति एवं भावना की दोनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने बड़ी सराहना की,और उस पर विश्व को अमल करने की बात भी कही। भारत की विश्व के कई देशों को की गई सहायता भारत की नीति वसुधैव कुटुंबकम को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करती है। भारत के प्रधानमंत्री ने सदैव अपनी अभिव्यक्ति में भी यह स्पष्ट रूप से जताया है कि भारत पूरे विश्व को अपना परिवार मानता है एवं इसकी शांति तथा सुरक्षा की चिंता करते हुए अपनी विदेश नीति बनाता है।

वसुधैव कुटुंबकम की भावना से ओतप्रोत होने के कारण ही प्राचीन समय से अब तक भारत में हर जाति, हर धर्म के लोगों को शरण दी थी। उन्हें अपनाया गया फिर चाहे वह मुगल हो या अंग्रेज ही क्यों ना हो। भारत ने सभी को एक परिवार मानकर व्यवहार किया है। पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोलवीं तथा 17वीं शताब्दी में यूरोप मैं औद्योगीकरण का युग प्रारंभ हुआ और अलग-अलग देशों ने अपने-अपने उपनिवेश बनाने शुरू कर दिए और तब वसुधैव कुटुंबकम की भावना को क्षति पहुंची। तब राष्ट्रवाद का जन्म हुआ। राष्ट्रवाद एक राष्ट्र तक ही सीमित होकर रह गया है। आज पूरा विश्व अलग-अलग समूहों में बट चुका है, और अपने लाभ तथा उद्देश्यों के प्रति सजग तथा अलर्ट है। इन सभी देशों का उद्देश्य विकास और शांति का ही है। अतः सभी देशों को आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आकर वसुधैव कुटुंबकम की भावना को बलवती करना चाहिए। अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख विकासवान देश इस भावना से कार्य करने पर प्रगति पर हैं, पर कुछ देश जो वैश्विक अशांति के लिए खतरा बन चुके हैं। सब दूसरे देशों सेअलग-थलग पड़ गए हैं। यह बात सर्वविदित है कि विश्व के देशों को वसुधैव कुटुंबकम की भावना से एकजुट होकर विकास की ओर अग्रसर होना चाहिए, क्योंकि विकास का मार्ग एकजुटता से होकर ही प्रशस्त होता है। अभी इस दिशा में बहुत काम करना शेष भी है। और जिस दिन विश्व के देश आपस की कटुता वैमनस्यता और मतभेद को बुलाकर एक धरातल पर आ जाएंगे उस दिन वसुधैव कुटुंबकम की सद्भावना संपूर्ण आकार ले लेगी। भारत के प्रधानमंत्री द्वारा अभी अमेरिका के दौरे पर संयुक्त राष्ट संघ स्क्वाड और अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान वसुधैव कुटुंबकम एवं वैश्विक शांति की दुनिया से पुरजोर अपील भी की है। और वैश्विक शांति के लिए कुछ देशों को इस बात से बाज आने का संकेत भी दिया है। भारत के प्रधानमंत्री की अमेरिका सफल यात्रा के बाद पूरे विश्व में भारत का कद तो ऊंचा हुआ ही है, इसके साथ ही वसुधैव कुटुंबकम की भावना भी बलवती हुई है। इसी भावना के साथ भारत देश को संयुक्त राष्ट संघ की सुरक्षा परिषद का सदस्य बनाए जाने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। यदि भारत संयुक्त राष्ट संघ की सुरक्षा परिषद का छठवां सदस्य बनता है, तो यह भारतीय गणतंत्र की बड़ी सफलता होगी। भारत के ऋषि मुनियों द्वारा प्रतिपादित वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भारत ने अपनी वैश्विक विदेश नीति के तहत एक प्रमुख नीति बनाकर विश्व में शांति तथा विकास की बात हमेशा दोहराई है। आज हम इस मुकाम पर खड़े हैं कि भारत देश की बात विश्व के देश बड़ी शांति और पूरे ध्यान से सुनते हैं। कई देशों ने आपसी भाईचारे पर अमल करना भी शुरू कर दिया है। यह भारतीय कूटनीति की बड़ी सफलता भी है। वसुदेव कुटुंबकम जियो और जीने दो तथा वैश्विक शांति के मार्ग पर भारत चलकर वैश्विक गुरु बनने की दिशा में अग्रसर हो सकता है। यह भारत का अमोघ अस्त्र साबित होगा जिससे विश्व में शांति सौहार्द और विकास स्थापित होने की संभावना बलवती होगी।

रिश्तौं मैं सामंजस्य जरूरी है

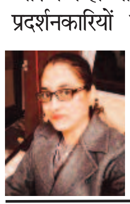

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
(उत्तर प्रदेश)

संयुक्त परिवार में रहने वाले लोगों से घर स्वर्ग बन जाता है और इस घर में रहने वाले लोगों के आचरण से बनता है खुशनुमा माहौल। लेकिन कभी-कभी कुछ ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जिसकी वजह से खुशनुमा माहौल गलतफहमी की वजह से और एक दूसरे को नीचा दिखाने की वजह से कलह पूर्ण बन जाता है। कभी बेटे बहू दोषी होते हैं तो कभी सास सुसर दोषी होते हैं। घर में जिसका पलड़ा भारी होता है उसी की चलती है उसी की बात सही होती है भले ही वह गलत क्यों ना हो! सास-ससुर जब अधिक बूढ़े हो जाते हैं उनसे कोई काम नहीं हो पाता और पैसे उनके पास नहीं होते तब बेटे बहू उन पर हावी हो जाते हैं। और जब सास-ससुर स्वस्थ होते हैं धनोपार्जन करते रहते हैं तब वह बहू बेटे पर हावी हो जाते हैं। सभी एक दूसरे की सत्ता को कायम रखने के लिए अपने को सर्वोच्च मानते हैं घर में सर्वेसर्वा बनने की मानसिकता परिवार को अक्सर तोड़ देती है। यह दोनों ही स्थितियां परिवार के लिए गलत है खुशियां इनसे घर में कभी नहीं आ पाती है। कैसे इन हालातों से खुद को बचाया जा सके यही सोचने में पूरा जीवन व्यतीत हो जाता है।

घर कोई अखाड़ा नहीं या जंग का मैदान नहीं होता है यह तो एक स्वर्ग है, मंदिर है जहां कई रिश्ते एक ही छत के नीचे बनते हैं। बहू को सिर्फ आजादी ही ना दें बल्कि उनकी जरूरतों का भी ख्याल रखें बहू अपने पति के साथ कहीं जाना चाहती हैं तो उसमें उसकी खुले मन से मदद करनी चाहिए और बेटा उसे साथ ले जाने में संकोच कर रहा हो तो उससे कहे कि ÷ले जा! इसे कहीं घुमा फिरा ला÷। ऐसा कहने से बहू सास के प्रति सदा ही कोमलता का रवैया अपनाती है। इसके विपरीत यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती है तो कलह निश्चित है। ससुर अपनी बहू को हर काम के लिए आवाज देते रहते हैं, वह बल्कि अपना काम खुद करें और बेटे को विवाहित जीवन में शांति बनाए रखने की सलाह देता रहे। अधिकांश ससुर बेटे को भड़काने का ही काम करते हैं ÷दिन भर कमरे में ही पड़ी रहती है तेरी मां काम करती रहती है आवाज देने पर सुनती नहीं है!÷ ऐसी बातें ना बोल कर यह कहे कि ÷अभी वह मैच्योर नहीं है, जिम्मेवारी नहीं समझती है, तो क्या हुआ तेरी मां है ना! धीरे-धीरे सब समझा देगी÷। यह सब शब्द बेटे को सुकून पहुंचाते हैं और बहू को भी ससुर से जोड़ते हैं। बहू बेटे में कभी किन्हीं कारणों में बोलचाल बंद हो जाए तो सास को कभी भी मंथरा जैसी भूमिका नहीं निभानी चाहिए, बल्कि सास ससुर का फर्ज है बहू को समझाने का। बहुत से सास-ससुर ऐसे होते हैं जो तटस्थ बने रहते हैं यह आचरण गलत है बहू बेटे की आपस में बढ़ती रंजिश एक दूसरे के लिए भी खतरनाक साबित होती है क्योंकि ऐसे में बेटे बहू यही सोचते हैं कि ÷यह लोग हमारे आपसी में झगड़ों से खुश हैं÷। सास ससुर ढाल बनकर मध्यस्थ का रोल अदा करें और अपने अनुभवों को उनके साथ शेयर करें इसमें बेटे बहू की आपस की रंजिश दूर होती है। इतना होने से बेटे बहू में आपसी तालमेल अच्छा होगा उतना ही इसका लाभ सास-ससुर को मिलेगा। बेटे बहू का शुरू शुरू में सास ससुर सहयोग तो करते हैं उन्हें पूरी आजादी भी देते हैं उनके प्रति संवेदनशील भी बने रहते हैं उनके बीच कोई शक पैदा नहीं होने देते हैं उनकी जरूरतों को पूरा करते हैं तो वह भी आपके बुढ़ापे का सहारा बनते हैं, क्योंकि आप के प्रति उनके मन में पहले से यह छवि जो बनी हुई होती है कि मम्मी पापा ने जब हमें कभी परिवार से अलग नहीं समझा हमारे बीच गलतफहमियां पैदा होने नहीं दी तो फिर हम इन्हें बुढ़ापे में बेसहारा क्यों छोड़े? आप शायद नहीं जानते बहू बेटों को गुमराह ज्यादातर सास ससुर ही करते हैं और जब बेटे बहू इस बात को जान जाते हैं तो उनसे बदला लेना शुरू कर देते हैं। ऐसी नौबत ही क्यों आती है जब वह नव दंपत्ति हो तब जितना आप से संभव हो सके उनकी मदद करें ताकि वे भी आपको अपने से अलग न समझें और आपको उम्र के हर पड़ाव पर सहारा दे।

यदि आज आप का पलड़ा भारी है तो आप बहू बेटों को तरह तरह की मानसिक यातनाएं ना देकर उन्हें खाने-पीने सोने जागने घूमने फिरने की पूरी छूट दें, ताकि आपके प्रति उनकी फीलिंग पॉजिटिव ही रहे। किसका पलड़ा भारी और किसका हल्का है इसका ध्यान ना कर इस बात का ध्यान रखें कि बेटा अपना है और बहू उसकी पत्नी है। यानी दोनों को समान रूप से साथ ससुर समझे, तो घर में कभी कलह ही नहीं होगी। यदि बहू को आप टेंशन देंगे तो बेटे को भी टेंशन होगी फिर बेटा आपको टेंशन देने लगेगा। टेंशन देने लेने का सिलसिला बेटे बहू को ईर्ष्यालु बनाता है। वह आपके प्रति सामान्य बने नहीं रह पाते हैं। यह असमानता ही सास ससुर को उपेक्षित वस्तु बना देती है। घर गृहस्थी में बहू बेटे से बना कर रखना जरूरी है तभी वह सास-ससुर को बुढ़ापे में भी अकेला नहीं छोड़ेंगे। जिसका वक्त है वह प्रताड़ति करेगा यह सोच गलत है! ऐसा ना कर हमेशा एक भाव रहे। बच्चे जैसे भी हैं अच्छे हैं साथ ससुर की ऐसी सोच बहू बेटों को संवेदनशील बनाती है और यह संवेदनशीलता ही बहू बेटे ता आदरणीय बनाए रखती है। सभी माता पिता अपनी संतान को निःस्वार्थ भाव से पालते हैं उनसे यह अपेक्षा करते हैं कि बड़े होकर यह हमारा साथ देंगे। यदि बेटे की शादी के बाद माता-पिता अपनी बहू के साथ गलत व्यवहार करते है तो इसका असर गृहस्थी पर पड़ता ही है। अपने अधिकारों का नहीं, जज्बातों का इस्तेमाल कीजिए उन्हें भरपूर प्यार दीजिए। निःस्वार्थ भाव से बुने गए रिश्ते ही मजबूती पाते हैं।

सभी मिलकर एक दूसरे का सम्मान, एक दूसरे का साथ दें और परिवार में एक दूसरे की सुख सुविधाओं का ख्याल रखें। जैसे आप एक घर में रहकर अलग-अलग रहते हैं ऐसी स्थिति उत्पन्न ना हो पाए, तो इसके लिए आपको एक दूसरे को समझना बेहद आवश्यक होता है। सास-ससुर, माता-पिता, बहू-बेटा यह सभी एक दूसरे को समझे एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करें, तो कभी घर अखाड़ा ना बन पाएगा। मैं सर्वेसर्वा हूं मैं सक्षम हूं इस तरह की अहम की भावना अपने मन में ना लाएं, तभी परिवार की धुरी एक स्थान पर रह सकती है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

दुर्घटनाओं के मामलों में कमी लाने लोगों को यातायात नियमों के प्रति करें जागरूक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग व पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता द्वारा पुलिस को-ऑर्डिनेशन सेंटर में जिले के सभी राजपात्रित अधिकारियों एवं थाना, चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में लंबित प्रकरणों की समीक्षा, गुम इंसान, मर्ग, शिकायत निकाल, एवं चिटफण्ड व साइबर अपराधों के मामलों मे त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

आईजी ने साइबर अपराध से सम्बंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। लघु अधिनियम के तहत जुआ सट्टा, अवैध मादक पदार्थों पर नकेल कसने अधिक से अधिक कार्रवाई

करने निर्देशित किया गया। समस्त थाना प्रभारियों को संध्या पेट्रोलिंग एवं रात्रि गश्त के दौरान विशेष चेकिंग अभियान चलाने एवं दुर्घटनाओं के मामलों में कमी लाने के संबंध में यातायात से संबंधित नियमों को लोगों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने व पथ सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आईजी ने कहा कि थाना में आने वाले फरियादियों पर सौहार्द्रपूण व्यवहार कर उनकी समस्या को हल करें। किसी निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। अपराधों पर अंकुश लगाना और जबाजी और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना पुलिस का मुख्य कार्य है।

सक्रिय पुलिसकर्मियों को किया गया पुरस्कृत

आईजी के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा थाना गांधीनगर एवं थाना धौरपुर हत्याकांड का खुलासा करने में सक्रिय होकर कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित कर जवानों का हौसला अफजाई गई। समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला ,नगर पुलिस अधीक्षक, स्मृतिक राजनाला, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण अखिलेश कौशिक, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर ध्रुवेश जायसवाल, उप पुलिस अधीक्षक एमआर कश्यप उप पुलिस अधीक्षक कामता प्रसाद दीवान उप पुलिस अधीक्षक इमानुएल लाकड़ा एवं समस्त थाना प्रभारी शामिल रहे।

जमकर मारपीट,दुकान से बाहर बुलाकर लड़कियों ने बाल पकड़ पटक-पटक कर मारा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शहर के बीच व्यस्ततम व्यवसायिक मार्ग में दिनदहाड़े दुकान से बाहर बुलाकर एक लड़की को कुछ लड़कियों ने बाल पकड़कर पटक पटक कर मारा। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। दरअसल देवीगंज मार्ग में काम करने वाली एक युवती अपने कुछ सहेलियों के साथ शहर में ही एक किराए का मकान में रह रही थी। उनके बीच कुछ विवाद होने पर कहासुनी हो गई। बात यहीं पर खत्म नहीं हुई साथ में रहने वाली दो से तीन युवतियों ने आज उक्त युवती के दुकान पहुंच उसे बाहर बुलवाया और बाल पकड़कर जमकर मारपीट की। मारपीट करने वाली युवतियां चिरमिरी की बताई जा रही है।

घर व दुकान में चोरी,पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

दुकान व घर से चोरी के मामले में कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दुकान में चोरी गई सामान को जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रकाश गुप्ता शहर के मायापुर का रहने वाला है। वह अपने घर में ही किराने की दुकान चलाता है। 28 नवंबर की रात को दुकान बंद कर घर के अंदर सभी सो रहे थे। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने दीवार फांद कर घर के अंदर घुस कर 22 हजार रुपए नकदी की चोरी की फिर टेबल पर रखे दुकान की चाभी चोरी कर दुकान का ताला खोलकर किराना सामान व 12 हजार रुपए नकदी पार कर दिया। इसके बाद चोर ने घर के बगल में सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति का कबाड़ ढोने वाले ऑटो में चोरी की सामन लोड कर फरार हो गया। परिजन को चोरी की घटना की जानकारी सुबह मिली। परिजन ने मामले की जानकारी डायल 112 को दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी केदारपुर महादेव गली निवासी प्रितम सिन्हा उर्फ सोपाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से चोरी की ऑटो व किराना सामान जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत,परिजनो ने मचाया हंगामा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत हो गई। मौत की घटना पर परिजन ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा मचाया।

प्रतापपुर थाना क्षेत्र के कॉलेज पारा निवासी शुबूक तारा पति इसराफिल अंसारी उम्र 40 वर्ष को मंगलवार को प्रसव पीड़ा होने पर उसे डिलिवरी के लिए परिजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया। मातृ -शिशु अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर ने महिला की सारी रिपोर्ट की जांच की। जांच में सभी सही पाया गया। महिला का नॉर्मल डिलिवरी के लिए इंतेजार किया जा रहा था। रात करीब 12 बजे उसे ओटी में ले जाया गया और स्टाफ नर्स द्वारा परिजन को बोला गया कि कुछ देर तक नॉर्मल डिलिवरी होने का इंतेजार कर रहे हैं। अगर नहीं होता है तो ऑपरेशन करना पड़ेगा। आधे घंटे बाद परिजन को बताया गया कि नॉर्मल डिलिवरी की स्थिति नहीं बन रही है ऑपरेशन करना पड़ेगा। कुछ देर बाद ऑपरेशन कक्ष से बाहर निकल कर स्टाफ द्वारा परिजन को बताया गया कि बच्च मृत पैदा

लिया है और मां की स्थिति भी खराब है उसे खून चढ़ाना पड़ेगा। परिजन किसी तरह ब्लड इंतेजाम कर चढ़वा ही रहे थे कि बुधवार की सुबह 9 बजे महिला की मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने के बाद भी जच्च-बच्चा की मौत होने पर परिजन ने अस्पताल के डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा मचाना शुरू कर दिया। मृतका का पति इसराफिल ने आरोप लगाया है कि रात में मेरी पत्नी को ऑपरेशन कक्ष में ले जाने से पूर्व एक व्यक्ति जिसका चेहरा बंध हुआ था वह दस हजार रुपए की मांग की थी। वह कहा था कि दस हजार रुपए दिजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। नहीं देने पर सभी ने मिलकर जच्चा- बच्चा दोनों को मार दिया। जच्चा-बच्चा की मौत के बाद परिजन ने लापरवाही का आरोप लगाकर एमसीएच में हंगामा मचाना शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस व अस्पताल के उप अधीक्षक पहुंचे और परिजन को समझाया। उप अधीक्षक द्वारा मामले की जांच कराने के आश्वासन के बाद परिजन ने शव का पीएम करवाने को तैयार हुए।

सेवा भावी बहनों ने वर्ष 2017 से अब तक किया 8 लाख के जनहित का कार्य

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शहर की सेवा भावी बहनों को जोड़ कर किटी को नया रूप देकर वन्दना दत्ता ने 2017 में 20 बहनों के साथ सेवा किटी समूह बनाया। जिसका उद्देश्य, जनहित में कार्य करना है। सेवा कार्य में रुचि रखने वाली बहने स्वयं जुड़ती गई और इस समूह में 50 लोग हो गए। विगत दिनों सेवा किटी समूह ने अपने स्थापना दिवस पर वन्दना दत्ता, रेखा इंगोले, नीलिमा गौयल, गायत्री सुल्तानिया, ज्योति दिवेदी, अलका इंगोले, श्रद्धा खेरपाण्डे, स्मिता तिवारी ने, स्वछता गोठान में जाकर दीदियों को मिस्ठान दिया और उनकी व्यक्तिगत जरूरतों की जानकारी लेकर सहयोग के लिए आस्वस्त किया। सेवा किटी समूह ने ममता सिंह असोला को आर्थिक आत्मनिभर बनाने में उनके द्वारा चलाए जा रहे सेंटर में मधु चौदह, कुंजबाला जायसवाल, वंदना दत्ता, स्मिता तिवारी, ज्योति द्विवेदी, गायत्री सुल्तानिया, श्रद्धा खेरपाण्डे ने सरपंच पूनम नेताम की उपस्थिति में प्रदाय

किया। स्थापना दिवस पर इसकी सुरुआत की।

इस समूह में शहर की बहनों के अतिरिक्त, बिलासपुर, रायपुर, विश्रामपुर, ग्वालियर की बहने भी सहयोग कर रही है। 2017 से निरन्तर जनहित में लगभग 8 लाख के कार्य किए गए है। इस समूह में डॉ. पुस्पा सोनी, डॉ मंजू शर्मा, डॉ आराधना त्रिपाठी, सन्तोष पांडेय, नीलिमा गौयल, सत्या दुबे, गायत्री सुल्तानिया, दीप्ति चोपड़े, रेखा इंगोले, कुसुम विश्वकर्मा, मधु चौदह, पूनम जायसवाल, आशा थोराट, च्यती अग्रवल, सरिता भाटिया, रश्मि गुप्ता संजीता स्वर्णकार, बलवीन्द्र टुटेजा, डॉली भल्ला, शारदा अग्रवल, अर्चना जिंदल, आभा सिह, नमिता चावला, कुसुम चोपड़ा, विमला अग्रवल, स्मिता तिवारी, कुसुम जायसवाल, अलीशा करिस्पोट्टा, मिलन शर्मा, रेणुका उपाध्याय, लिलि बसु रॉय, स्निग्धा मित्रा, अम्बिका दत्ता, सुनंदा साहू, अनामिका चक्रवर्ती, तारा अग्रवाल, रमा सिह, कविता श्रेष्ठ, आँचल पांडे, दीपमाला सिह, वर्षा गुहा, बोनी डे, उर्मिला अग्रवल, शालिनी अग्रवल, दीक्षा अग्रवल , चीना केसरी, कमला अग्रवल, बानी मुखर्जी, रंजू अग्रवल, तृप्ति चाकी, सविता आइच , सुनीता दास, पिंकी जायसवाल की भूमिका सक्रिय है।

इंफॉर्मेशन एवं लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर गुजरात के साथ संत गहिरा गुरु विवि का हुआ एमओयू

» विश्वविद्यालय के सभी शोधार्थियों को शोध पत्र होगा ऑनलाइन उपलब्ध

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा का इंफॉर्मेशन एवं लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर, गांधीनगर, गुजरात के साथ एमओयू समझौता हुआ है। जिससे विश्वविद्यालय के सभी शोधार्थियों को शोध पत्र ऑनलाइन उपलब्ध होगा। यह छत्तीसगढ़ का पहला विश्वविद्यालय है। किसी व्यक्ति द्वारा रिसर्च पेपर को संपूर्ण देश के किसी भी कोने में रहते हुए पढ़ा एवं देखा जा सकता है। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक सिंह ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई दी है। इससे विश्वविद्यालय के सभी शोध गतिविधियों को इन्फ्लिबनेट के शोध चक्र में नियंत्रित किया जाएगा। इस एमओयू के हो जाने से विश्वविद्यालय के सभी शोध छात्र, शोध निर्देशक और शोध निदेशक के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होगी। इससे शोध के सभी गतिविधियों की जानकारी विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। इस इन्फ्लिबनेट संस्था के माध्यम से विश्वविद्यालय को अनेक सेवाएं प्राप्त होंगी, जिनमें इंडकेट, लाइब्रेरी ऑटोमेशन, इनफेड, शोधगंगा, शोध सुधी, शोधचक्र, इल्मस, इरिंस आदि सुविधाएं प्राप्त होंगी। इतना ही नहीं, इसके माध्यम से एंटी प्लेगरिज्म सॉफ्टवेयर भी मुफ्त प्राप्त होगा, जिससे साहित्यिक चोरी की जांच शोध प्रबंध के लिए भी किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के शोधार्थियों को करीब एक लाख रिसर्च पेपर मुफ्त में ऑनलाइन पढने् देखने को प्राप्त होगा, जिसका उपयोग और वाचन शोधार्थी कर सकेंगे।

कार्यशाला 14 दिसंबर को

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से इस संदर्भ में कार्यशाला 14 दिसंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागृह में आयोजित की जाएगी। जिसमें विवि के सभी शोधार्थी को उपस्थित रहना आवश्यक है, जिससे उनका ज्ञानवर्धन होगा और शोध चक्र के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

तेजी से मरम्मत के साथ सड़क की गुणवत्ता भी रहे बरकरार:कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक सम्पन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिले की सड़कों की मरम्मत व पैच रिपेयरिंग कार्य की समीक्षा करते हुए लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि तेजी से मरम्मत के साथ ही सड़कां की गुणवत्ता कायम रहना चाहिए। कहीं भी गुणवत्ता के सम्बंध में शिकायत मिलने पर सम्बंधित अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई होगी ।

कलेक्टर ने कहा कि सड़क निर्माण से संबंधित विभागों के एसडीओ व उप यंत्री मुख्यालयों में ही रहे और कार्यों की गुणवत्ता का लगातार मॉनिटरिंग करें। ठेकेदारों को सचेत करें कि गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक उपार्जन केंद्र में पानी, बिजली, शौचालय, किसानों के

लिए मनोरंजन के साधन, हमाल, बारदाना, उचित स्टैकिंग होनी चाहिए। एसडीएम व सम्बंधित उपार्जन केंद्र के नोडल अधिकारी को इन सब व्यवस्थाओं का पालन कराना होगा। उपार्जन केंद्र से सम्बंधित कोई भी समस्या के लिए नोडल अधिकारी जिम्मेदार होंगे। समिति में किसी प्रकार की अनियमितता होने पर नोडल अधिकारी संबंधित को नोटिस भी जारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि समिति प्रभारी व कम्प्यूटर ऑपरेटर में भय हो कि उन पर निगरानी हो रही है। 1 दिसंबर से धान खरीदी में तेजी आएगी। टोकन जारी करने में लघु व सीमांत किसानों को प्राथमिकता दें तथा एक बार में ही उनसे धान खरीदी हो जाए। उन्होंने कहा कि समितियों के पास हमाली व अन्य प्रासंगिक व्यय के लिए राशि रहता है। हमाली अनुबंध की जानकारी से संबंधित फ्लेक्स हर समिति में लगवाएं। उन्होंने कहा कि धान खरीदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नोडल अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा।

कलेक्टर ने स्कूली बच्चों के जाति व निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए लगाए जा रहे शिविर की समीक्षा करते हुए कहा कि पहली बार जिले में पहली से पांचवी कक्षा तक के पात्र विद्यार्थियों का जाति प्रमाण पत्र बनाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र स्कूली बच्चा जाति प्रमाण पत्र जैसे मूल अधिकार से वंचित न रहे। बताया गया कि अब तक 32 हजार 348 बच्चों का जाति प्रमाण पत्र तथा 21 हजार निवास प्रमाण पत्र ऑनलाइन बनाने के लिए कंप्यूटर में अपलोड हो गया है।

कलेक्टर ने गर्भवती, शिशुवती व आंगनबाड़ी के एनिमिक बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से सुपोषण तुंहर द्वार कार्यक्रम की 1 दिसंबर से लखनपुर विकासखण्ड से प्रारम्भ करने कहा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिये कुपोषित व्यक्ति के परिवार के सदस्यों में व्यवहार परिवर्तन कर कुपोषण दूर करने में सहयोग ली जाएगी। जिले में करीब 4000 लक्षित एनिमिक व्यक्ति है जिन पर इस कार्यक्रम के द्वारा फोकस किया जाएगा ताकि अगले 6 माह में इनमें एनीमिया को दूर करना है।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई, वनमंडलाधिकारी पंकज कमल, अपर कलेक्टर एएल ध्रुव सहित सडीएम, तहसीलदार व विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

निगम क्षेत्र के 1032 भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य पूर्ण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नगर निगम आयुक्त ने बताया है कि नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्र के अंतर्गत 1032 भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य पूरा हो गया है। निगम क्षेत्र में 2815 भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग शुल्क अधिरोपित किया गया है

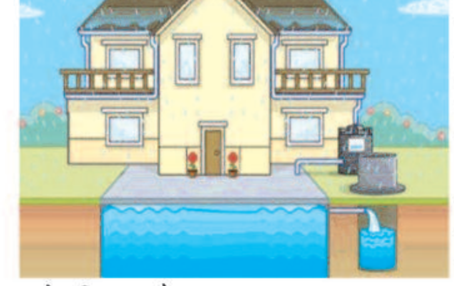

जिसमें से 1032 भवनों पर स्वयं से तथा निगम के एजेंसी के माध्यम से वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य कराया गया है। शेष 1021 भवनों पर वाटर हार्वेस्टिंग कार्य निर्माण करने हेतु एजेंसी को कार्य आदेश दिया गया है।

नगर पालिक निगम क्षेत्र के 762 भवन अनुज्ञा अवधि के अंतर्गत है। एजेंसी द्वारा अब तक 185 भवनों पर वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण करने की जानकारी प्रस्तुत की गई है। शेष भवनों पर वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य प्रगति पर है।

ज्ञातव्य है कि निकाय क्षेत्र के अंतर्गत समस्त शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य कराया जाना है। निकाय क्षेत्र के 152 शासकीय भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाने की जानकारी प्राप्त हुई है।

ऐसा कौन सा जादू है जिससे मनेन्द्रगढ़ वन मण्डल के डीएफओ भी प्रभारी रेन्जर के मुरीद हो गए?

जो छापना है छाप दो, कार्यो में गड़बड़ी करने वाले प्रभारी रेन्ज़र के सुर में सुर मिला रहे डीएफओ,क्या यही है इनकी नैतिकत ?

मनेन्द्रगढ़ वनमंडल में हुए करोड़ो के लेंटाना उन्मूलन कार्य महज कागजो में,सुर में सुर मिलाएंगे डीएफओ तो कौन करेगा जाँच ?

- रवि सिंह -
मनेन्द्रगढ़ 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ परिक्षेत्र में हुए करोड़ो के गोलमाल की दर्जनों शिकायतों के बाद भी जांच नही हुई। वन विभाग के लिए ये कोई नई बात नही है कि शिकायत होते ही तुरन्त जांच हो जाये। खैर प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी के द्वारा विगत आठ वर्षों से एक ही परिक्षेत्र में रहकर करोड़ों का भ्रष्ट्राचार की फ़ेहरिस्त लंबी है पर न जाने ऐसा कौन सा जादू है जिससे मनेन्द्रगढ़ वन मण्डल के लगभग डीएफओ भी प्रभारी रेन्जर के मुरीद हो जाते है। मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल में आठ वर्षो के दौरान कई वनमंडलाधिकारीयों की पदस्थापना हुई और स्थान्तरित भी हुए पर प्रभारी रेन्जर आज भी उसी कुर्सी पर बैठ कर अपने मनमाफिक तरीक़े से रेंजरी झाड़ रहे हैं।

मनेन्द्रगढ़ वनमंडल में हुए करोड़ो के लेंटाना उन्मूलन कार्य महज कागजो तक ही सीमित है। आज भी जंगल के भीतर लेंटाना भारी तादात में देखे जा सकते है, वन परिक्षेत्र मनेन्द्रगढ़ में करीब 10 करोड़ की राशि, सिर्फ लेंटाना उन्मूलन में खर्च किया गया है, जिसकी हकीकत आज भी जंगलो में जड़ जमाये भारी तादात में लेंटाना के पौधे अपने मौजदूगी का सबूत दे रहे हैं।पर वर्तमान वनमंडलाधिकारी महोदय को शायद यह सब नजर नही आता। कार्यो में गड़बड़ी करने वाले प्रभारी रेन्जर हीरालाल सेन के साथ कदमताल करते डीएफओ लोकनाथ पटेल एक करोड़ के लागत से निर्मित अर्दन डैम को पर्दे में रख लोकार्पण भी करा दिए। अर्दन डैम में की गई अमियमित्ता आज किसी से छिपी नही है। पूर्व में मनरेगा से निर्मित तालाब के बह जाने के बाद उसी स्थान पर अर्दन डैम का निर्माण किया जाना कितना सही है यह तो डीएफओ साहब अपने कार्यकाल में बैठकर ड्रोन कैमरे से देखकर ही बता पाएंगे।

धूमिल छवि को चमकाने ड्रोन कैमरे का सहारा- क्योकि जब ÷घटती घटना÷ के मार्फ़त अर्दन डैम की सच्चाई सबके सामने आयी तो प्रभारी रेन्जर और उनके साथ कदमताल करते वनमंडलाधिकारी ने मिलकर, उच्च अधिकारियों के सामने अपनी धूमिल छवि को चमकाने ड्रोन कैमरे का सहारा लिया। कहते है कि एक झूठ को छुपाने कई झूठ बोलना पड़ता है, और हुआ भी कुछ ऐसा ही, ड्रोन से हुये कवरेज पर डीएफओ साहब यह भूल गए कि अर्दन डैम के वर्चुअल लोकार्पण के दौरान मुख्यमंत्री को डैम की लागत राशि क्या बताए थे और अब ड्रोन वाले कवरेज में क्या बता रहे है। सर्वविदित है कि किसी भी निर्माण कार्य पूर्ण होने पर ही लोकर्पण किया जाता था। हम जिस अर्दन डैम की बात कर रहे उसका लोकार्पण बरसात शुरू होने के बाद और बारिस के दौरान संपन्न हुआ था। तब तक डैम की कुल लागत 65 लाख ही था। अब आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि बरसात के दिनों में डैम में जल का भराव होगा, फिर पांच महीने बाद अचानक उसी डैम की लागत राशि में 33 लाख अतिरिक्त बढ़कर 1 करोड़ कैसे पहुंच गया? ये सब जानकारी अर्दन डैम के नजदीक बने सूचना पटल पर नही लिखा है।

क्या अर्दन डैम की झूठ को छुपाने ड्रोन कैमरे की मदद ?

इसे तो ड्रोन कैमरे का कमाल ही कह सकते है की जिस अर्दन डैम की झूठ को छुपाने ड्रोन कैमरे की मदद ली जा रही थी उसी ड्रोन ने डैम की कुल लागत राशि को डीएफओ साहब के हलक से बाहर निकाल दिया। यही नही जिस वन भूमि में अर्दन डैम का निर्माण कराया गया है उसी स्थान पर आज भी बड़ी मात्रा में लेंटाना के पौधे मौजूद है यह शायद डीएफओ साहब को अब तक नजर नही आया। काश वर्चुअल लोकार्पण के समय कैमरे की नजर डैम की ऊपरी हिस्से की तरफ़ पड़ती तो वनमंत्री महोदय भी लेंटाना के साक्षात दर्शन कर पाते।

दिसम्बर में हो जायेंगे सेवानिवृत्त,फिर कब होगी जांच?

आठ वर्षों से लगातार भ्रष्ट्राचार के रंग में रंगे प्रभारी रेन्जर हीरालाल सेन का अब सेवानिवृत्त का समय करीब है इसी माह दिसबंर में वे रिटायरमेंट होंगे।पर क्या उनके कारगुजारियों से उच्च अधिकारी अभी तक अनजान है, जो आज पर्यन्त तक उनके कार्यो की जांच नही हो सकी,जबकि यह भी एक सच्चाई है कि, मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल में तब के तत्कालीन वनमण्डलाधिकारी ने प्रभारी रेजर के कार्यो से नाखुश हो उनके गोपनीय चरित्रावली में बिना किसी लोभ मोह के सच्चाई लिख दी, जिस कारण हीरालाल सेन की पदोन्नति नही हो सकी जिससे उनके रेन्जर बनने की चाह आज तक अधुरी ही है। बावजूद लम्बे घोटालेबाजों की सूची में सुमार प्रभारी रेन्जर हीरालाल सेन की कृत्यों की जांच नही होना उनके पहुँच का नतीजा हो सकता है, जिस कारण विभागीय उच्च अधिकारी भी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल में क्या उच्च अधिकारी के मौखिक आदेश पर हो रहा निर्माण कार्य ?

भौंता के अर्दन डैम का मामला,लोकार्पण के बाद 33 लाख हुआ खर्च

-रवि सिंह-
मनेन्द्रगढ़/बैकुण्ठपुर 18 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

वनमण्डल मनेन्द्रगढ़ के वर्तमान डीएफओ अपने उच्च अधिकारियों के मौखिक निर्देश पर नव निर्मित अर्दन डैम जिसका लोकार्पण कुछ माह पूर्व ही हो चुका है अब उसी अर्दन डैम में 33 लाख अतिरिक्त खर्च होने पर डीएफओ साहब अब घिरते नजर आ रहे है। वन विभाग में किसी उच्च अधिकारी के सिर्फ मौखिक आदेश पर लाखों के कार्य हो जाने से शासकीय नियम और कायदे धरे के धरे दिख रहे है।क्या सत्ता परिवर्तन उपरांत वन विभाग में लिखित आदेश महज खानापूर्ति रह गया है।क्योंकि मनेन्द्रगढ़ डीएफओ खुद ही स्वीकार कर रहे है कि भौता के अर्दन डैम में तय इस्टीमेट अनुसार कार्य न होकर उच्च अधिकारी के कहने पर अतिरिक्त कार्य होने के कारण 33 लाख का अतिरिक्त व्यय हुआ है।

मामला मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम भौता में नव निर्मित अर्दन डैम का है, जहां वन मंडल मनेन्द्रगढ़ के वन परिक्षेत्र मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत राज्य कैंपा मद से 65 लाख खर्च कर डैम का निर्माण इसी वर्ष कराया गया है।कार्य पूर्ण हो जाने के बाद मुख्यमंत्री के हाथों बकायदा अर्दन डैम का वर्चुअल लोकार्पण भी संपन्न हो गया, तब उस समय डैम की कुल लागत राशि 65 लाख ही था, जिसे मनेन्द्रगढ़ डीएफओ ने लोकार्पण के दौरान संक्षिप्त विवरण में बताया भी है।चूंकि डैम का लोकार्पण बरसात के शुरुआती दिनों में सम्पन्न हुआ, बाद में अचानक उसी अर्दन डैम में 33 लाख फिर अतिरिक्त खर्च होना वनमंडलाधिकारी के द्वारा बताया जा रहा है वह भी विभागीय उच्च अधिकारियों के मौखिक आदेश पर।ऐसे में अब मनरेगा के तालाब के स्थान पर बने अर्दन डैम की लागत राशि एक करोड़ के करीब पहुँच चुका है।अगर ऐसे ही वन विभाग में उच्च अधिकारियों का मौखिक आदेश आगे भी चलता रहा तो डैम की लागत राशि में और भी वृद्धि होना स्वभाविक है।

आखिर किस उच्च अधिकारी के कहने पर खर्च हुए 33 लाख ?

वनमंडलाधिकारी मनेन्द्रगढ़ अनुसार भौता के अर्दन डैम में विभाग के किसी उच्च अधिकारी द्वारा उनके कार्यालय में आकर कहने मात्र से इस्टीमेंट में बदलाव कर 33 लाख अतिरिक्त खर्च होना बताया जा रहा है।अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर में उच्च अधिकारी है कौन? क्योंकि जिस समय अर्दन डैम का निर्माण कार्य चल रहा था उस समय कैम्पा के सीईओ श्री वी. श्रीनिवास राव दौरे में मनेन्द्रगढ़ वन मंडल पहुँचे थे,तो क्या यह मान ले कि कैम्पा के सीईओ ही वह उच्च अधिकारी है जिनके कहने से एस्टीमेंट रिवाइज कर 33 लाख खर्च होने की बात सामने आ रही है।यह सिर्फ एक अंदेशा है,उच्च अधिकारी कौन है, इसकी पुष्टि हम यहाँ नही कर रहे है।

अर्दन डैम की हकीकत क्या है ऐसे समझिए

मनेन्द्रगढ़ विकास खंड के ग्राम भौता में जिस स्थान पर वन विभाग ने अब करीब एक करोड़ की लागत राशि से जिस अर्दन डैम का निर्माण कराया है उसी स्थान पर पूर्व में मनरेगा योजना से भी वर्ष 2016 में जल संसाधन विभाग ने 42 लाख की लागत राशि से बसकोहा तालाब का निर्माण कराया था। गुणवत्ता विहीन कार्य होने से 2019 में मनरेगा से निर्मित तालाब के मेड़ का कुछ हिस्सा बह गया था। अब उसी स्थान पर वन विभाग ने अर्दन डैम बना दिया है।अर्दन डैम बनने और लोकार्पण तक उसकी लागत राशि 65 लाख ही बताया गया था।लेकिन लोकार्पण के कुछ माह बाद उसी डैम की लागत राशि करोड़ तक जा पहुंची। वह भी वन विभाग के उच्च अधिकारियों के मात्र कहने पर।गौर करने वाली बात यह है कि क्या डैम निर्माण कार्य पूर्ण होने पर ही उसका लोकार्पण कराया गया या अधे-अधूरे डैम को ही सूबे के मुख्यमंत्री को पूर्ण बताकर लोकार्पण करा दिया गया? वही दूसरी बात यह कि,जब अर्दन डैम का स्टीमेट कार्य शुरू होने के पूर्व बनाया गया होगा तब क्या डैम में लगने वाली लागत राशि का आंकलन किये ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया? एक और गौर करने वाली बात यह भी है कि जब डैम में लगने वाली लागत राशि ही तय नही थी, (जैसा कि निर्माण निर्माण स्थल पर बने बोर्ड में लागत राशि अंकित नही है) फिर लोकार्पण के दौरान वनमंडलाधिकारी लोकनाथ पटेल ने लागत राशि 65 लाख किस आधार पर बताया।और अब किस अधिकारी के मौखिक आदेश पर 33 लाख अतिरिक्त खर्च और किस चीज में किया गया यह अब वनमंडलाधिकारी महोदय ही बता पाएंगे।

क्या कहते है अधिकारी

मामले में जब मुख्य वन संरक्षक श्री नावेद शुजाउद्दीन से चर्चा की गई तो उन्होंने, कहा मामले की जानकारी मुझे अभी नही है मेरे ज्वाइनिंग को कुछ ही दिन हुए है, मामले को पता कर ही कुछ कह पाना सम्भव होगा।

लोकनाथ पटेल (डीएफओ मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल)

अर्दन डैम की लंबाई स्टीमेट से ज्यादा हो जाने से बाद में उच्च अधिकारी द्वारा कार्यालय में आकर कहने उपरांत एस्टीमेट रिवाइज (परिशोधित प्राक्कलन) तैयार कर 33 लाख के करीब राशि बाद में बढ़ाया गया है।

नवा बल प्रमुख से है जांच और कार्यवाही की उम्मीद

छत्तीसगढ़ में लंबे वक्त के बाद वन विभाग में नए बल प्रमुख की ताजपोशी हुई है। सूत्र बताते हैं कि संजय शुक्ला के वन बल प्रमुख बनते ही विभाग में भ्रष्ट्राचार में लिप्त अधिकारी सकते में है।तेज तर्रार और स्वच्छ छवि के नए वन बल प्रमुख द्वारा अभी हाल में ही एक रेन्जर पर कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया गया है।अब देखना यह है कि मनेन्द्रगढ़ वन परिक्षेत्र के प्रभारी रेन्जर जो इसी माह दिसम्बर में सेवानिवृत्त होंगे उनके द्वारा कराये गए कार्यो की जांच और कार्रवाई उनके सेवानिवृत्त से पहले हो पाता है या नही।

कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक ने चार माह बाद जारी की तबादला सूची,सूची काफी लंबी,क्या सूची है निष्पक्ष ?

- कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक ने चार माह बाद जारी की तबादला सूची, सूची काफी लंबी, क्या सूची है निष्पक्ष ?
- क्या नए पुलिस महानिरीक्षक के आगमन से पहले जिले की पुलिस को चुस्त दुरुस्त दिखाने मात्र की योजना ?
- एक प्रधान आरक्षक को लेकर सूची नहीं दिख रही है निष्पक्ष,प्रधान आरक्षक पर फिर बरसाई गई कृपा ?
- रक्षित केंद्र में कागजों में पदस्थ प्रधान आरक्षक को मिला सायबर विभाग
- प्रधान आरक्षक पहले से ही सायबर में ही देख रहा था काम, अब केवल ऑफ रिकॉर्ड की जगह ऑन रिकॉर्ड उसकी पदस्थापना हुई सायबर विभाग में
- जिले के जिस पुलिस थाना क्षेत्र में हुई बड़ी घटना वहां के थाना प्रभारी का भी नहीं हुआ तबादला
- सूची जारी करने से पूर्व ही एक उपनिरीक्षक को पहले ही चुपके से दे दी गई सोनहत पुलिस थाने की जिम्मेदारी

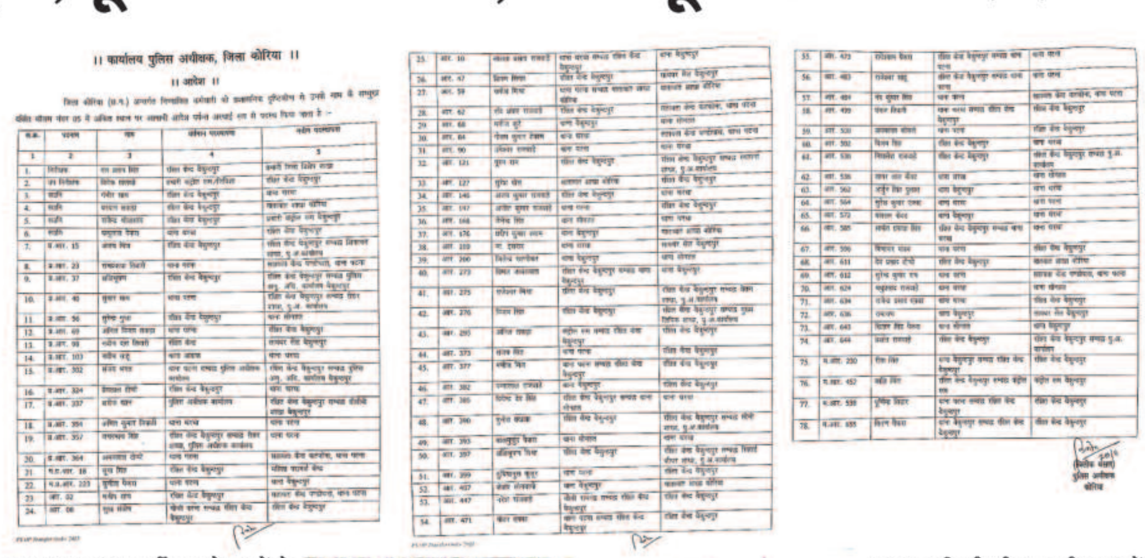

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

देश का एक अलग इतिहास रहा है खाकी वर्दी को लेकर, ब्रिटिश शासन काल में जहां वर्दी सफेद हुआ करती थी और सफेद होने की वजह से गंदी जल्द हुआ करती थी, जिसकी वजह से 1847 में सिर्फ वर्दी गंदी न हो इसलिए वर्दी का रंग खाकी कर दिया गया और इसपर जल्द दाग न लगे यह उस समय की व्यवस्था ने अपनी तरफ से प्रयास किया, लेकिन वर्दी का रंग जरूर खाकी हुआ और वर्दी जल्द गंदी होने से बचने भी लगी लेकिन समय समय पर वर्दी में जो दाग लग रहें हैं जो न दिखाई देने वाले दाग हैं, लेकिन दाग हैं, जरूर उससे खाकी को बचाने का प्रयास होता नहीं दिखाई दे रहा है, वहीं खाकी पहने लोगों को यह दाग दिखाई तो देता है लेकिन इस दाग से वह बचना नहीं चाहते क्योंकि यह दाग उन्हें कुछ लाभ पहुंचाता है और उन्हें अर्थ संपन्न बनाता है। समय समय पर वर्दी पहनने वालों ने वर्दी पर खूब दाग लगाया है और कुछ ऐसा ही अविभाजित कोरिया जिले में जारी है जहां अवैध कारोबार और खाकी का संबंध बार बार सामने आ जाता है और खाकी की दागदार कर जाता है और वहीं जिले में निष्पक्षता के साथ पुलिसिंग भी नहीं दिखती कुछ दिखता है तो पुलिस की क्रूरता दिखती है और आम जनता से पुलिस के बीच दूरी खुलकर सामने दिखती है।

अविभाजित कोरिया जिले को लेकर यदि हाल फिलहाल की घटना देखी जाए तो हाल ही में जुलाई माह में तात्कालीन पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर का तबादला हुआ और 11 जुलाई को नए पुलिस अधीक्षक के रूप में कोरिया जिले की कामना त्रिलोक बंसल को प्राप्त हुई नए पुलिस अधीक्षक का कोरिया जिले में कुल चार महीनों के कार्यकाल ऐसा रहा जिसे यदि यह कहा जाए कि कानून व्यवस्था के लिहाज से बेहतर बिल्कुल नहीं रहा तो गलत नहीं होगा। जिले में अवैध कारोबार जमकर इसबीच संचालित होने शुरू हुए और जिले की खनिज संपदा जिसमे कोयला महत्वपूर्ण है कि चोरी करने वाले चोरों ने कोयला चोरी रोकने गए एसईसीएल कर्मचारियों पर जानलेवा हमला तक कर दिया जो कानून व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी है और जिससे साबित हुआ कि जिले में अवैध कारोबारियों के हौसले कितने बुलंद हैं। जिले के पुलिस अधीक्षक से उम्मीद थी कि वह जिले की पुलिसिंग बढ़िया करने के लिए लगातार एक ही जमे पुलिसकर्मियों को इधर से उधर करके कुछ सुधार अवश्य लाने का प्रयास करेंगे लेकिन उन्होंने चार माह बाद जो तबादला सूची वह भी लंबी तबादला सूची जारी की वह कुछ खास पुलिसकर्मियों को सुविधा पहुंचाने के लिए जारी सूची नजर आ रही है जिसमें पुलिस थाना के प्रभारियों को इधर से उधर नहीं किया गया है, वहीं जिस पुलिस थाना क्षेत्र चरचा में कोयला चोरों का आतंक सबसे ज्यादा देखा गया और कोयला चोरी में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता की भी बात सामने आई वहां के भी थाना प्रभारी को नहीं हटाया गया जो सूची पर सवाल खड़ा करता नजर आया। क्या नए पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा के आगमन से पहले जिले की पुलिस को चुस्त दुरुस्त दिखाने मात्र की एक योजना है जो समझ मे आ रही है।

सायबर सेल में पहुचे ऑन रिकॉर्ड

सूची में एक प्रधान आरक्षक को सायबर सेल टीम में भेजा गया लेकिन प्रधान आरक्षक पहले से ही सायबर टीम में ही कार्य कर रहा था और वह केवल रिकॉर्ड में रक्षित केंद्र में पदस्थ था, प्रधान आरक्षक को अब ऑन रिकॉर्ड सायबर सेल टीम में भेज दिया गया और सूची में सबसे ज्यादा चर्चा इसी को लेकर जारी भी है। जिले के जिस प्रधान आरक्षक को सायबर सेल टीम का सदस्य बनाया गया है उसका विभाग में इस कदर दबाव है कि जिले में जितने भी पुलिस अधीक्षक आज तक उसके रहते आये किसी ने बिना प्रधान आरक्षक की सहमति से उसे कहीं भेज पाने में खुद को असमर्थ माना और वह जहां जहां रहकर कार्य करने को इक्षुक रहा उसे वहीं वहीं अवसर मिला जो उसकी ऊंची पकड़ साबित करने के लिए काफी है। प्रधान आरक्षक किसी भी दल की सत्ता में अपनी मर्जी से अपनी पदस्थापना लेने वाला जिले का एकमात्र पुलिसकर्मी बनकर भी इस सूची में साबित हुआ है क्योंकि उसकी ही मंशा से उसे सायबर सेल का सदस्य ऑन रिकॉर्ड बनाया गया है।

चुपके से एक उपनिरीक्षक को सोनहत पुलिस थाने का प्रभारी बना गया

पुलिस अधीक्षक ने तबादला सूची जारी करने से पहले ही चुपके से एक उपनिरीक्षक को सोनहत पुलिस थाने का प्रभारी बना दिया जबकि जल्दबाजी न दिखाते हुए तबादला सूची में ही उपनिरीक्षक को सोनहत भेजा जाता तो सवाल खड़े नहीं होते। कुल मिलाकर पूरा तबादला दिखावा है और सूची से पूर्व जिस उपनिरीक्षक को सोनहत थाने का प्रभारी बनाया गया है उनका भी कार्यकाल पूर्व के पुलिस थाने का कैसा रहा है यह भी किसी से छुपा नहीं है उनके पूरे कार्यकाल में उक्त पुलिस थाने में जमकर कोयला चोरी का कारोबार होता रहा और कारोबार को बड़ा स्वरूप मिलता रहा और उनके कार्यकाल में ही उक्त पुलिस थाने में कई बार उनपर द्वेषपूर्ण कार्यवाही का भी आरोप लगता रहा जो सर्वविदित है फिर भी रक्षित केंद्र से उन्हें सीधे पुलिस थाना प्रभार में दे दिया गया जो कहीं न कहीं सवाल उठाता हुआ मामला है।

सूची में सालों से जमे कर्मचारियों को नहीं किया गया शामिल

सूची तो काफी लंबी चौड़ी निकली पर इस सूची को देखने के बाद यह भी पता चला कि कई लोग सालों से एक ही जगह पर जमे हुए हैं जिन्हें इस सूची में शामिल नहीं किया गया, कई लोगों ने फोन करके भी इस बात की जानकारी थी अब सवाल यह है क्या की सूची को तैयार करने में किसका था योगदान?

अभियान चलाकर प्रतिदिन नक्शा सुधार कार्य शुरू किया जाए,पटवारी नक्शा सुधार की हर दिन देंगे रिपोर्ट :संभाग आयुक्त डॉ अलंग

संभागायुक्त डॉ. अलंग ने किया खड़गवां एसडीएम व तहसील कार्यालयों का निरीक्षण

- आमजन की सुविधा हेतु शीघ्र मामलों के निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश
- तहसील निरीक्षण रहेंगे जारी, एसडीएम बाउंड ओवर की कार्यवाही करें

- रवि सिंह -
मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने आज कलेक्टर पीएस ध्रुव के साथ खड़गवां राजस्व अनुविभागीय अधिकारी सहित तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने इन कार्यालयों की विभिन्न शाखाओं के काम-काज, संधारित पंजी एवं इनके रख-रखाव का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। चालू एवं निराकृत प्रकरणों का भी अवलोकन किया। खड़गवां तहसील के कानूनगो द्वारा कार्यालयीन रिकार्ड अपडेट नहीं रखे जाने पर शोकॉज नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए।

कल से ही अभियान चलाकर करें नक्शा सुधार कार्य संभागायुक्त- संभागायुक्त डॉ अलंग ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक भी की। इस दौरान नक्शा सुधार के संबंध में विशेष अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आने वाले कल से ही पटवारी प्रतिदिन नक्शा सुधार का काम करें और तहसीलदार इसकी रिपोर्ट लें। उन्होंने कलेक्टर श्री ध्रुव से इसकी मॉनिटरिंग और प्रतिदिन रिपोर्ट लेने पर चर्चा की। उन्होंने समस्त राजस्व अधिकारियों को आगामी जनवरी तक इस अभियान को पूरी गंभीरता और सक्रियता से पूर्ण करने कहा। उन्होंने कहा कि एक सिस्टम तैयार करें जिससे पक्षकार द्वारा प्रकरण मिलने और निराकृत होने तक पूरे प्रक्रिया की मॉनिटरिंग कर सकें। आम जन को बार-बार पेशी ना आना पड़े, प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें जिससे उनकी मदद हो। उन्होंने सभी एसडीएम को बाऊंड ओवर की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाउंड ओवर के बाद संबंधित थाने को भी सूचित करें जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग हो सके।

डॉ. अलंग ने एसडीएम एवं तहसील कार्यालयों में राजस्व न्यायालयों के काम-काज का सूक्ष्मता से किया निरीक्षण- डॉ. अलंग ने एसडीएम एवं तहसील कार्यालयों में राजस्व न्यायालयों के काम-काज का भी सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। उन्होंने न्यायालय, डब्ल्यूबीएन, नायब नाजिर, कानूनगो आदि शाखाओं में पहुंचकर संबंधित प्रभारी क्लर्क से उनके दायित्व एवं काम करने के तौर-तरीकों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग का काम बड़ा संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण होता है। कोर्ट द्वारा निर्णय के उपरांत तुरंत रिकार्ड दुरूस्त हो जाये। उन्होंने नामांतरण, बटवारा, अर्थदण्ड, दाण्डिक प्रकरण, पटवारी प्रतिवेदन, डायवर्सन आदि की समीक्षा की। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर नीलम टोप्पो, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन, खड़गवां एसडीएम नयनतारा सिंह तोमर, मनेंद्रगढ़ एसडीएम अभिषेक कुमार, सहित तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

महाराणा प्रताप महान या बिसाहू दास महंत महान ?

- चौक का नाम बदलने को लेकर सियासी ड्रामा मनेन्द्रगढ़ पालिका में शुरू
- सत्ता मिलती तो है जनता की मर्जी से, पर चलती नहीं जनता के मर्जी से
- चौक महाराणा प्रताप के नाम रहेगा और मूर्ति रहेगी बिसाहू दास महंत की, क्या यह उचित है?
- मुगल आतताइयों के खिलाफ डटकर लड़ने वाले महाराणा प्रताप को क्यों नहीं माना जा रहा महान?
- क्या केवल राजनीति में शामिल व्यक्ति ही देश मे होंगे महान,देश की अखंडता और उसकी संप्रभुता के लिए लड़ने वालों की नहीं होगी इज्जत
- सत्ता मिलने तक नेताओं के लिए सभी जाति धर्म होते हैं एक समान,सत्ता मिलते ही शुरू होती है बहुसंख्यक आबादी की राजनीति

महाराणा प्रताप महान

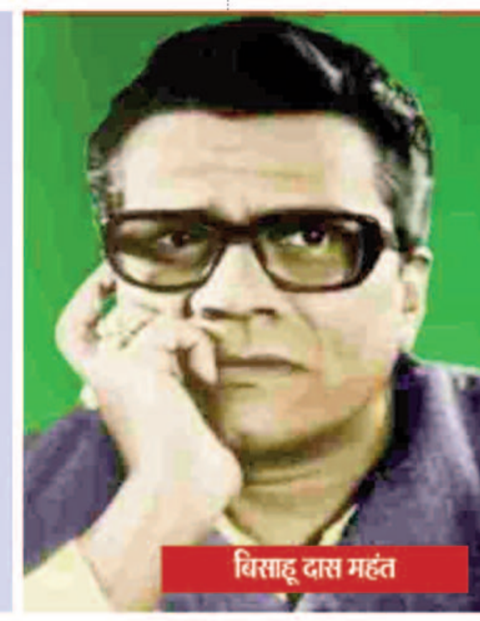
बिसाहू दास महंत

- रवि सिंह -
मनेन्द्रगढ़ 30 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

एमसीबी नवीन जिले में मनेंद्रगढ़ नगरपालिका अंतर्गत आने वाले महाराणा प्रताप चौक का नाम बिसाहूदास महंत किये जाने को लेकर नगरपालिका में प्रस्ताव हुआ है और जिसे लेकर अब विरोध के स्वर भी उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि जिस चौक को लोग वर्षो से महाराणा प्रताप चौक के नाम से जाना करते थे उसे बिसाहूदास महंत चौक नया नामकरण किया जा सकता है और अब इसकी सूचना मिलते ही विरोध भी दर्ज होने लगा है।

महाराणा प्रताप चौक का नाम किन वजहों से बदला जा रहा है उनमें से जो मुख्य वजह सामने आ रही है वह यह कि स्व बिसाहूदास महंत विधानसभा अध्यक्ष के पिता हैं और क्षेत्रीय सांसद के स्वशुर और केवल उन्ही को प्रसन्न करने की कवायद में चौक का नाम परिवर्तित किया जा रहा है और ऐसा करके उनके सबसे खास समर्थको में अपना नाम जोड़ने की यह कवायद भी मानी जा रही है। वैसे भले ही प्रसन्न कर किसी को अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी करने का यह एक राजनीतिक प्रयास हो लेकिन सवाल यह भी उठता है कि महाराणा प्रताप को महान माना जाए या बिसाहूदास महंत को, दोनों का सार्वजनिक जीवन था और दोनों ही समाज के लिए कुछ न कुछ किये थे लेकिन महाराणा प्रताप मुगल आतताइयों से लड़कर देश की रक्षा में अपना जीवन बलिदान किये थे वहीं बिसाहूदास महंत राजनीतिक रूप से समाज की सेवा में रत थे।

इतिहास बदलने का और ऐतिहासिक लोगों के नामों को बदलने का एक नया ही अध्याय

वैसे इतिहास बदलने का और ऐतिहासिक लोगों के नामों को बदलने का एक नया ही अध्याय आजकल लिखा जा रहा है और उसमें भारत देश के लिए देश की अखंडता के लिए कुछ कर गुजर गए लोगों को महत्व न देकर केवल राजनीतिक रूप से सार्वजनिक जीवन जीने वालों को ही महान बनाया जा रहा है जो एक तरह से नया इतिहास लिखा जा रहा है ऐसा कहा जा सकता है। पूरे मामले में नेता प्रतिपक्ष मनेंद्रगढ़ नगरपालिका ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा अपने बड़े नेताओं को खुश करने के लिए महापुरुषों का अपमान किया जा रहा है और मुगल शासकों से लड़कर देश पर मुगल शासन का विरोध करने वाले वीर महापुरषों के नाम पर बने चौक का नाम अपने नेता के पिता के नाम पर किया जा रहा है जिसका हम विरोध करेंगे और स्वयं महाराणा प्रताप चौक जाकर विरोध दर्ज करेंगे।

इशहाक खान
सीएमओ मनेंद्रगढ़

प्रभा पटेल अध्यक्ष
नगरपालिका मनेंद्रगढ़

श्याम सुंदर पोद्दार
पार्षद मनेंद्रगढ़

चौक महाराणा प्रताप के नाम और मूर्ति होगी बिसाहूदास महंत की कैसे यह सही होगा?

यह कैसे सही कहा जा सकता है कि चौक का नाम कुछ और होगा और वहां मूर्ति किसी और की होगी, अभी तक हमने जो भी देखा है कि जिसके नाम की चौक है उसी के नाम की मूर्ति होती है इस बार एक अलग ही मामला सामने आ रहा है, जिसमें चौक तो रहेगा महाराणा प्रताप के नाम पर मूर्ति होगी बिसाहू दास महंत की, इसे लेकर मनन करने चर्चा का बाजार गर्म है और बड़ी तेजी से इस समय हर चौक चौराहों पान ठेला पर यही चर्चा हो रही है कि आखिर यह कैसे होगा? ऐसा होना भी नहीं चाहिए, आखिर विधायक ने नया ही क्या प्रस्ताव दे दिया कि चौक का नाम कुछ और मूर्ति कुछ और होगी, विधायक की घोषणा ही चौक को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा करने वाली है, अब पैसा विधायक मत का है चाहे वह मूर्ति किसी की भी लगा दे क्या ऐसा संभव है? नगरपालिका अध्यक्ष ने अपने बयान में बताया है कि विधायक मनेंद्रगढ़ का प्रस्ताव था और उन्होंने ही अपनी निधि से 5 लाख देने की घोषणा की है और उसी का परिपालन किया जा रहा है जिसमे चौक का नाम वही होगा जो है लेकिन मूर्ति अलग स्थापित होगी यह प्रस्ताव लाया गया है।

महाराणा प्रताप की मूर्ति नहीं है केवल चौक का नाम है, क्या नपा इसी प्रयास में है कि मूर्ति स्थापित कर नाम भी परिवर्तित कर दिया जाए? वैसे मामले में जो लोग इसका विरोध कर रहें हैं उनका कहना है कि चौक में महाराणा प्रताप की मूर्ति नहीं है केवल चौक का नाम महाराणा प्रताप चौक है और नगरपालिका इसी प्रयास में है कि मूर्ति स्थापित कर नाम भी परिवर्तित कर दिया जाएगा और ऐसे में विरोध भी दर्ज नहीं हो सकेगा। अब हकीकत जो हो मामले में अपने बड़े नेता को खुश करने पूरा प्रयास जारी है और देखना है कि राष्ट्रीय स्तर पर मान्य महापुरुष महाराणा प्रताप नगरपालिका के लिए महापुरुष हैं या उनके ही नेता के पिता।

चौक के नाम मे परिवर्तन का कोई प्रस्ताव नगरपालिका अध्यक्ष की तरफ से नहीं आया है:सीएमओ इशहाक खान

पूरे मामले में मुख्य नगरपालिका अधिकारी मनेंद्रगढ़ इशहाक खान का बयान भी सामने आया है और उन्होंने कहा है कि मनेंद्रगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष ने चौक के नाम मे परिवर्तन का कोई प्रस्ताव नहीं लाया है वहीं चौक के ही पास स्वर्गीय बिसाहूदास महंत जी की मूर्ति लगाए जाने की उनकी तरफ से बात कही गई है जिसमे चौक के नाम परिवर्तन की कहीं कोई बात नहीं है।

महाराणा प्रताप चौक महाराणा प्रताप चौक ही रहेगा,प्रभा पटेल अध्यक्ष नगरपालिका मनेंद्रगढ़

मनेंद्रगढ़ में महाराणा प्रताप चौक का नाम बदलकर बिसाहूदास महंत चौक किये जाने के मामले में नगरपालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल का बयान सामने आया है,नगरपालिका अध्यक्ष का कहना है कि महाराणा प्रताप चौक का नाम नहीं बदला जा रहा है वहीं उन्होंने बताया कि विधायक मनेंद्रगढ़ ने अपनी निधि से 5 लाख की राशि बिसाहूदास महंत की प्रतिमा स्थापित करने हेतु देने की घोषणा की है जिसे लेकर प्रस्ताव पारित हुआ है।

कुछ महत्वपर्ण सवाल

सवालः महाराणा प्रताप महान या बिसाहू दास महंत महान?
सवालः मनेंद्रगढ़ में चौक का नाम बदले जाने के बाद उठ रहा सवाल?
सवालः चौक महाराणा प्रताप के नाम रहेगा और मूर्ति रहेगी बिसाहू दास महंत की, क्या यह उचित है?
सवालः मनेंद्रगढ़ में चौक चौराहों का नया नामकरण और जारी सियासी ड्रामा,क्या नाम बदलना ही विकास?
सवालः मुगल आतताइयों के खिलाफ डटकर लड़ने वाले महाराणा प्रताप को क्यों नहीं माना जा रहा महान?
सवालः महाराणा प्रताप चौक का नाम बदले जाने के पीछे की वजह कहीं किसी को खुश करने का प्रयास तो नहीं?

जहां महाराणा प्रताप चौक प्रस्तावित था उस चौक को बिसाहूदास महंत चौक नाम से किये जाने का हुआ है प्रस्ताव,श्याम सुंदर पोद्दार पार्षद

मनेंद्रगढ़ के ही पार्षद ने बताया कि जिस चौक का नाम महाराणा प्रताप चौक था या जहां महाराणा प्रताप चौक प्रस्तावित था उसे ही बिसाहूदास महंत चौक किये जाने का प्रस्ताव लाया गया है, अग्रसेन चौक, महात्मा गांधी चौक में भी प्रतिमाएं स्थापित किये जाने का प्रस्ताव लाया गया है। अग्रसेन चौक पर अग्रेसन की प्रतिमा, भगत सिंह चौक पर भगत सिंह की प्रतिमा, गांधी चौक पर गांधी जी की प्रतिमा लेकिन महाराणा प्रताप चौक पर बिसाहूदास महंत की प्रतिमा ये कैसे संभव है?

राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड मानक प्रदर्शनी में हायर सेकेंडरी स्कूल सोरगा का चयन

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)

इंस्पायर अवार्ड मानक जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं मॉडल प्रतियोगिता सत्र 2020-21 का आयोजन दिनांक 28 एवं 29 नवंबर 2022 को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिश्रामपुर, जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित किया गया ।संस्था के प्राचार्य श्री एसके द्विवेदी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में कक्षा नवमी में अध्ययनरत छात्रा कुमारी विद्या सिंह पिता अभिलाष सिंह के द्वारा प्रस्तुत मॉडल÷ ट्रैवलिंग बैग्स विद फोल्डिंग चेयर÷ प्रोजेक्ट को इंस्पायर अवार्ड मानक नवाचार विशेषज्ञों/ऑब्जर्वर के द्वारा अवलोकन किया गया एवं मॉडल की सराहना करते हुए 5 जनवरी 2023 को दुर्ग में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। इंस्पायरिंग इन्नोवेटर्स गाइड के रूप में संस्था के व्याख्याता एसएन यादव, देवव्रत पांडे एवं महेंद्र सिंह ओट्टी का सराहनीय योगदान रहा।राज्य स्तरीय मानक प्रतियोगिता के लिए चयनित छात्रा को संस्था के प्राचार्य एसके द्विवेदी, समस्त व्याख्याता सह स्टाफ, माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक श्री अनंत लाल गुप्ता एवं अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा बधाइयां एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव का हुआ रंगारंग आगाज

- एक हजार से अधिक युवाओं ने 38 विधाओं में दिखाया हुनर

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव का रंगारंग आगाज बुधवार को राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर के ऑडिटोरियम में हुआ। अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा राजगीत के साथ समारोह का शुभारंभ किया गया। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह ने जिला स्तरीय युवा महोत्सव प्रारंभ करने की औपचारिक घोषणा की। जिला स्तरीय युवा महोत्सव में विकासखण्ड स्तर से चयनित एक हजार से अधिक युवाओं ने आकर्षक परिधान से सुसज्जित होकर 38 विधाओं में अपने हुनर का प्रदर्शन किया। जिला स्तर से चयनित युवा संभाग स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में युवा महोत्सव व छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में लगाना है। इस आयोजन से युवाओं में एक टीम भावना विकसित होती है जिससे जीवन की कठिनाइयां को दूर करने में उन्हें मदद मिलेगी। इसके साथ ही उनकी प्रतिभा को निखारने के भी अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिले के युवा कई विधाओं में पारंगत हैं जिसे बाहर निकालने की आवश्यकता है। उन्होंने 1 जनवरी 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं को मतदाता कार्ड बनवाने तथा निर्वाचन में मतदान करने की अपील की।

जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह ने कहा कि छतीसगढ़ सरकार द्वारा युवाओं की प्रतिभा निखारने व उन्हें अपने संस्कृति से जोड़े रखने के लिए कई आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने वाले युवा विकासखण्ड से चयनित होकर आये हैं। प्रदेश सरकार ने प्रदेश की कला संस्कृति व पारंपरिक खेलो को जीवंत रखने का बीड़ा उठाया है। कार्यक्रम को अपेक्स बैंक के संचालक श्री अजय बंसल, तेल घानी बोर्ड के सदस्य श्री लक्ष्मी गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य श्री राकेश गुप्ता ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई, पार्षद श्री शैलेन्द्र सोनी, एसडीएम श्री प्रदीप साहू, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक श्री राम कुमार सिंह, खेल अधिकारी श्री देवेन्द्र सिन्हा सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में युवा प्रतिभागी उपस्थित थे।

तेज रफ्तार से बाईक चलाने,स्टंट करने तथा यातायात नियमों का उल्लघंन करने वालों की सूचना देने व कार्यवाही के लिए सूरजपुर पुलिस ने जारी किया यातायात हेल्पलाईन नंबर

- संवाददाता -
सूरजपुर, 30 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

स्पोर्ट्स बाइक लेकर तेज रफ्तार से चलाने और स्टंट करने वालों तथा यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले अब बच नहीं पाएंगे। ऐसे चालकों के घर पुलिस दस्तक देगी। अगर आपको यह लगता है कि सड़क पर पुलिस नहीं है और आप स्टंट करके अथवा यातायात नियमों की अनदेखी करके बच जाएंगे तो यह आपकी भूल है। ऐसे बाईकर्स की फोटो-विडियों सहित जरूरी जरूरी जानकारी हासिल कर उनके विरूद्ध कार्यवाही करने तथा यातायात से जुड़े किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने यातायात हेल्पलाईन नंबर 94792-85849 जारी किया है।

इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह ने बताया कि तेज रफ्तार से बाईक चलाने, स्टंट करने, तेज ध्वनि वाले सायलेंसर का प्रयोग तथा यातायात नियमों का उल्लघंन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए यातायात हेल्पलाईन नंबर जारी किया गया है। ऐसे लोग जो यातायात नियमों की अनदेखी करते है उनकी फोटो खींचकर अथवा विडियों बनाकर जरूरी जानकारी हेल्पलाईन नंबर पर उपलब्ध कराये ताकि पुलिस ऐसे लोगों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही कर सके। साथ ही नागरिकगण कहीं भी जाम की समस्या होने अथवा यातायात से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत को सुबह 7 बजे से रात्रि 9 बजे के बीच यातायात हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय अपनी टीम के साथ इस हेल्पलाईन नंबर पर प्राप्त शिकायत पर जरूरी कदम उठाते हुए सक्रियता से कार्य करेंगे।

शासकीय वाहन चालक संघ के जिला कार्यकारिणी का गठन

वाहन कक्ष में सामग्री प्रदाय हेतु कलेक्टर के नाम दिया ज्ञापन

- संवाददाता -
सूरजपुर, 30 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

छ.ग. प्रदेश शासकीय,अर्द्धशासकीय वाहन चालक एवं यांत्रिकी कर्मचारी संघ की प्रातांध्यक्ष सत्यप्रकाश बाघ के निर्देशन पर प्रांतीय प्रचार सचिव रमेश राजवाड़े एवं जिलाध्यक्ष परमेष्वर राम देवांगन की अगुवाई में सभी की सहमति पर जिला कार्यकारिणी का गठन वाहन कक्ष में 29 नवम्बर को रमेश राजवाड़े जनसम्पर्क विभाग कार्यकारिणी अध्यक्ष,कृपाल सिंह राजस्व विभाग संगठन प्रभारी, सुनील कुमार हितकर राजस्व विभाग सचिव, अनुप खाखा राजस्व विभाग कोषाध्यक्ष , नरेन्द्र गुप्ता (पप्पू) कृषि विभाग उपाध्यक्ष, मुन्ना लाल स्वास्थ्य विभाग वरिष्ठ उपाध्यक्ष, योगेन्द्र साहू स्वास्थ्य विभाग महामंत्री, उपेन्द्र गुप्ता पीएचई विभाग महेन्द्र कुमार देवांगन खनिज विभाग मीडिया प्रभारी, दिलीप एक्का लोक निर्माण विभाग संतोष सिंह जिला पंचायत प्रचार सचिव , विजय देवांगन जिला पंचायत मो. जियाउल हुसैन पशु विभाग संयुक्त सचिव, विजय कुमार यादव महिला बाल विभाग सलीम किंडो पीएचई विभाग सह सचिव, पंकज सिंह राजस्व विभाग सह कोषाध्यक्ष, मुकेश कुमार साहू राजस्व विभाग कार्यालय प्रभारी, रविन्द्र तिवारी वन विभाग ब्लाक अध्यक्ष सूरजपुर, चंद्र भास्कर पटेल स्वास्थ्य विभाग ब्लाक अध्यक्ष प्रतापपुर, रोहित कुमार यादव राजस्व विभाग ब्लाक अध्यक्ष भैयाथान,ओड़गी , उद्राज राम महिला बाल विभाग ब्लाक अध्यक्ष रा0नगर, प्रेमनगर, रामसुंदर साहू पीएचई विभाग सुनील सिंह कलेक्टर संलग्न भोला राजवाडें जिला पंचायत लिखेश कुमार यादव वन विभाग जतिन मोहिते वन विभाग देवनंदन सिंह राजस्व विभाग रवि श्रीवास्तव वन विभाग शंकर रजक खाद्य विभाग राजेश कुमार साहू श्रम विभाग रामदूलार पैकरा पशु विभाग प्रियरंजन कुमार पशु विभाग अशोक कुमार मसीह प्रधान मंत्री सड़क रथिन हलदार सर्व शिक्षा अभियान चैनप्रकाश राजवाड़े रेशम विभाग राजकुमार देवांगन पीएचई विभाग विरेन्द्र कुमार सिंह भूमि संरक्षण कृषि विभाग मों. वसीम स्वास्थ्य विभाग संतोष सिंह स्वास्थ्य विभाग मनोज सिंह स्वास्थ्य विभाग राजकुमार देवांगन स्वास्थ्य विभाग विरेन्द्र कुमार सिंह स्वास्थ्य विभाग कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया है।

वाहन कक्ष में सामग्री उपल्ब्ध कराने सौपा ज्ञापन

संयुक्त जिला कार्यालय के वाहन पार्किंग पर बने वाहन कक्ष में छः विकासखण्डों से रोजाना अधिकारियों के साथ आना होते रहता है और कार्यालय में पदस्थ चालकों को विश्राम व्यवस्था के लिए वाहन कक्ष में जरूरत टेंबल,कुर्सी, अलमारी उपल्ब्ध कराने नाजीर शाखा में वाहन चालक संघ के पदाधिकारियों द्वारा कलेक्टर महोदया के नाम पर मांग पत्र सौपे।

विद्यार्थियों के भविष्य सुधारने हेतु जनपद सदस्यों ने बलरामपुर कलेक्टर से लगाई गुहार

- संवाददाता -
रामानुजगंज 30 नवंबर 2022 (घटती घटना)

जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के सभी जनपद सदस्यों ने बलरामपुर कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए मांग की गई है कि जिले में संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय में हायर सेकेंडरी कि कक्षा 11वीं एवं 12वीं संचालित कराई जाए। सौपे गए आवेदन में कहा गया है कि आदिवासी बाहुल्य बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय में वर्तमान में कक्षा 6वीं से 10 वीं तक की कक्षा ही संचालित किया किया जा रहा है,विद्यालय में 11वीं व 12वीं कक्षा संचालित नहीं होने से कक्षा 11वीं के बच्चों को अन्य जिलों के स्कूलों में भेजा जा रहा है,जिससे जिले के अभिभावकों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।अन्यत्र जिलों में भेजे जाने के कारण कई बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय में पढ़ाई से वंचित हो जा रहें है,वे जिले के अन्य संस्था में पढ़ने को विवश हैं। कक्षा 11वीं एवं 12वीं संचालित नहीं कराये जाने का कारण विद्यालय द्वारा बच्चों के रहने हेतु आवास व्यवस्था नहीं होना बताया जा रहा है जबकि जवाहर नवोदय विद्यालय हेतु भवन नया बना है। नये भवन में उच्च कक्षा के बच्चों हेतु आवास व्यवस्था नहीं होना समझ से परे है। महोदय से आग्रह है कि अभिभावकों की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुये जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में हायर सेकण्डरी कक्षा 11 वी एवं 12वीं अतिशीघ्र प्रारंभ कराए जाने की मांग की गई है। आवेदन सौंपने वालों में जनपद अध्यक्ष सुश्री शारदा सिंह जनपद उपाध्यक्ष बीडी लाल गुप्ता जनपद सदस्य सीताराम गुप्ता फजले करीम अंसारी अशोक सिंह रामप्यारे दहिया रामजीत मुद्रिका सिंह प्रतिभा सिंह फिरोज अख्तर शामिल थे।

सेवानिवृत्त प्रधान पाठक को सेवानिवृत्ति के दिन ही मिली पेंशन की स्वीकृति

- संवाददाता -
रामानुजगंज 30 नवंबर 2022 (घटती घटना)

कलेक्टर विजय दयाराम के.ने प्राथमिक शाला रामचन्द्रपुर के प्रधान पाठक जगन्नाथ सिंह को उनके सेवानिवृत्ति तिथि को ही पेंशन स्वीकृति के आदेश देते हुए उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की,प्रधान पाठक जगन्नाथ सिंह 40 वर्ष 10 माह की अवधि में शासकीय सेवा पूर्ण कर आज सेवानिवृत्त हुए हैं, उन्होंने 15 जनवरी 1982 में एक शिक्षक के रूप में अपनी शासकीय सेवाएं प्रारंभ की थी। जिला कोषालय अधिकारी संतोष सिंह का कहना है कि

सेवानिवृत्त होने के पहले ही संबंधित कर्मचारी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर लें तो सम्भव है, कि निर्धारित सेवानिवृत्ति तिथि को ही पेंशन का भुगतान कर दिया जाता है। पेंशनरों को जीवित प्रमाण पत्र जमा करने में हो रही असुविधा को देखते हुए, जिला कोषालय कार्यालय में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है, इस शिविर में पेंशनर अपना जीवित प्रमाण पत्र आसानी से जमा करा सकते हैं, यह शिविर महिने के प्रत्येक शुक्रवार को पोस्ट ऑफिस के माध्यम से आयोजित की जा रही है। इसके साथ ही अन्य दिनों में पेंशनर बैंक शाखा के अलावा किसी भी नजदीकी पोस्ट ऑफिस में अपना जीवित प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं।

दीपका खदान में कोयले के दहकते अंगार से भरे गड्ढे में गिरा ठेका कर्मी,उपचार के दौरान हुई मौत

- संवाददाता -
कोरबा , 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोयले के दहकते अंगार से भरे गड्ढे में गिरने के कारण ठेका कर्मी की मौत हो गई । बताया जा रहा है कि खदान में कोयले के दहकते अंगार से भरे गड्ढे में ठेका कर्मी झुलस गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया । बताया जा रहा है कि दर्दनाक हादसे के बाद घायल को बिलासपुर सिम्स रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई । कार्यपालिक दंडाधिकारी ने रेफर से पहले बयान दर्ज कर लिया था । ये हादसा एसईसीएल दीपका खदान में जहां पाइप खींचते समय ठेका कर्मी गड्ढे में जा गिरा । मजदूर जिस गड्ढे में गिरा था, वहां कोयले का अंगार दहक रहा था । मजदूर चैतमा निवासी 38 वर्षीय परसराम है । बताया जा रहा है कि एसईसीएल प्रबंधन ने दीपका खदान में कोयले के स्टाक में लगने वाली आग को बुझाने का ठेका किसी अरविंद कुमार नामक ठेकेदार को दिया है । ठेकेदार के पास परसराम बतौर मजदूर काम करता था । मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने जिला अस्पताल ने चौकी पुलिस को मेमो दी है ।

थाना सूरजपुर पुलिस ने 15 माह पूर्व हुए अंधे कत्ल का किया खुलासा,1 आरोपी गिरफ्तार

आईजी सरगुजा रेंज ने पुराने लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने दिये थे निर्देश

- संवाददाता -
सूरजपुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

ग्राम नरेशपुर, थाना सूरजपुर निवासी देवमन उर्फ गुडा ठाकुर पिता मनमूरत ठाकुर उम्र 35 वर्ष दिनांक 25.08.2021 को गुम हुआ था, गुम इंसान पतासाजी के दौरान उसका शव ग्राम सरमा पुलिया के नीचे मिलने पर मर्ग क्रमांक 121/21 कायम कर शव पंचनामा के बाद पीएम कराया गया। पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर के द्वारा मृतक की मृत्यु का कारण हत्यात्मक लेख किए जाने पर मामले में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 415/21 धारा 302, 201 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने मामले जुड़े सभी बिन्दुओं पर गंभीरतापूर्वक बारीकी से जांच करने के निर्देश थाना सूरजपुर पुलिस को दिए। आईजी सरगुजा रेंज श्री राम गोपाल गर्ग ने भी पुराने लंबित मामलों का विधि के अनुसार जल्द निराकरण करने के निर्देश थाना-चौकी प्रभारियों को दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी सूरजपुर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर की पुलिस टीम के द्वारा मामले की विवेचना की गई। विवेचना के दौरान जानकारी मिली कि प्रियांशु श्रीवास्तव अपने दादी के मृत्यु के बाद क्रियाकर्म हेतु देवमन को साथ लेकर नदी किनारे गया था जिसके

बाद से वह नहीं दिख रहा था, जिसके उपरान्त संदेही प्रियांशु को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई जो उसने मृतक को अपने दादी के क्रियाकर्म के काम हेतु रेड नदी किनारे ले जाना बताया किन्तु हत्या करने की बात पूछे जाने पर गोलमोल जवाब देते रहा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर थाना सूरजपुर पुलिस ने माननीय न्यायालय से विधिवत् अनुमति प्राप्त कर संदेही प्रियांश श्रीवास्तव का पोलिग्राफी टेस्ट कराया गया जिसके उपरान्त इसका नार्को टेस्ट व ब्रेन मेपिंग टेस्ट कराने हेतु ले जाने पर सत्यतता उजागर होने के भय से दोनों टेस्ट कराने से मना कर दिया।

मामले की विवेचना में पाया गया कि दिनांक 25.08.21 को मृतक देवमन ठाकुर को अंतिम बार प्रियांशु श्रीवास्तव के साथ रेड़ नदी के पास देखा गया था, जहां देवमन के द्वारा उसके दादी के क्रियाकर्म के काम के दौरान नशा में होने के कारण काम में देरी कर रहा था इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने पर प्रियांशु आवेश में आकर गला घोटकर देवमन की हत्या कर दिया और शव को नदी में बहा दिया। प्रकरण में आरोपी प्रियांशु श्रीवास्तव पिता संतोष श्रीवास्तव उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम नरेशपुर, थाना सूरजपुर के विरूद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, एएसआई हीरालाल साहू, बृजकिशोर पाण्डेय, प्रधान आरक्षक संजय राजपूत, आरक्षक सत्यम सिंह, रामकुमार नायक, प्रेमसागर साहू, बृजभुवन, प्रदीप साहू, संत कुमार सिंह सक्रिय रहे।

अधिवक्ता संघ ने शोक सभा आयोजित कर दी श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
रामानुजगंज 30 नवंबर 2022 (घटती घटना)

अधिवक्ता संघ राजपुर के द्वारा व्यवहार न्यायालय राजपुर में पूर्व में कार्यरत न्यायालयीन लिपिक महेन्द्र सिंह की असामयिक निधन पर गहरा दुख जताया है,उल्लेखनीय है कि राजपुर में व्यवहार न्यायालय स्थापना के समय उन्होंने पहले न्यायालय लिपिक के रूप में लगभग 4 वर्षों तक व्यवहार न्यायालय राजपुर में कार्य किया था 28 नवम्बर 22की शाम अंबिकापुर के अरिहंत अस्पताल में हृदय गति रुकने से उनकी असामयिक निधन हो गई । अधिवक्ता संघ राजपुर द्वारा शोक सभा आयोजित कर उन्हें एक बेहतर कर्मचारी बताते हुए उन्हें शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी। शोक सभा में न्यायाधीश आकांक्षा बेक अधिवक्ता हुकुमचंद अग्रवाल जयगोपाल अग्रवाल,सुनील सिंह, उमेश झा,जितेंद्र गुप्ता,विपिन जयसवाल, संजय पांडेय,अशोक बेक,सुनील चौबे शंकर,अग्रवाल रामनारायण जयसवाल, लालमोहन टीआर पैकरा, डी के नागे, अजीत तिग्गा, सुषमा दुबे, विकास तिवारी, व न्यायालयीन कर्मचारी पूजा सोनी,आराधना, नीलम, रामदेव अजय व अन्य उपस्थित थे।

एनटीपीसी कोरबा में सामाजिक दायित्व के अंतर्गत परियोजना प्रभावित ग्राम चारपारा कोहड़िया में महिला स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा , 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एनटीपीसी कोरबा में दिनांक 26.11.22 को सामाजिक दायित्व के अंतर्गत परियोजना प्रभावित ग्राम चारपारा कोहड़िया में महिला स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन । जिसमें लगभग 100 महिलाओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य संबंधी लाभ प्राप्त किये। इस स्वास्थ्य शिविर में वरिष्ठ विशेषज्ञ डा. प्रतिमा महेन्द्रा के नेतृत्व में उनके टीम द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें निशुल्क दवाइयां दी गयी। स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे सभी महिलाओं को मैत्री महिला समिति द्वारा मेडिकल किट प्रदान किया गया। शिविर में मैत्री महिला समिति एनटीपीसी कोरबा के अध्यक्ष श्रीमती राजश्री जेना, उपाध्यक्षा श्रीमती संगीता अंबर, महासचिव श्रीमती रेखा श्रीवास्तव सहित समिति के अन्य पदाधिकारी गण और नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन एवं सीएसआर के प्रतिनिधि उपस्थित थे। श्रीमती राजश्री जेना ने कहा कि एनटीपीसी हमेशा परियोजना प्रभावित लोगों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहा है और इसी उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया है । परिवार में महिलाएं यदि स्वस्थ रहते हैं, तो परिवार खुशहाल रहता है। पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन ने इस कार्य क्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि एनटीपीसी के ऐसे शिविर के आयोजन से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और उन्हें बहुत लाभ होता है । शिविर में ग्राम चारपारा के मितानिन दीदियों ने भी अपनी उपस्थित दर्ज करायीं। अन्य परियोजना प्रभावित गाँवों में ऐसे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सीएसआर विभाग द्वारा कराये जाएंगे।

एसडीओपी प्रकाश सोनी ने थाना प्रेमनगर का किया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

- संवाददाता -
सूरजपुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बुधवार, 30 नवम्बर को एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी ने थाना प्रेमनगर का द्वितीय अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने पुलिस कर्मियों की समस्याओं को जाना तथा उन्हें कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू के निर्देशन में किए गए अर्द्धवार्षिक निरीक्षण में एसडीओपी प्रेमनगर आज सुबह प्रेमनगर थाना पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के वेश-भूषा का निरीक्षण किया तथा अच्छे वेश-भूषा धारण करने वाले जवानों को पुरस्कृत करने प्रतिवेदन भेजा। थाना भवन, प्रधान आरक्षक कक्ष, विवेचक कक्ष व मालखाना का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने थाने में अभिलेखों एवं उपकरणों का निरीक्षण कर थाने के सीसीटीवी कैमरों के सुचारु रूप से संचालन हेतु थाना प्रभारी को निर्देशित किया। थाना-चौकी प्रभारियों से बीट क्षेत्र में बनाए गए वाटसएप ग्रुप के बारे में जानकारी ली और सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आयोजन करने के निर्देश दिए। थाना के सभी महत्वपूर्ण अभिलेखों का जायजा लेने पर रिकार्ड दुरूस्त पाए जाने पर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान थाना प्रभारी प्रेमनगर रूपेश कुंतल, चौकी प्रभारी तारा उमेश सिंह, चौकी प्रभारी उमेश्वरपुर देवनाथ चौधरी सहित थाना व चौकी के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-76/अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आर0के0 वर्मा, उषा श्रीवास्तव आ0 स्व0 धनकुमार वर्मा, विकास वर्मा, विवेक कुमार वर्मा, वैभव वर्मा आ0 स्व0 प्रदीप कुमार वर्मा, जाति-कायस्त, निवासी-महेश्वर गेस्ट हाउस के पास, गुरू घासीदास वार्ड नंबर 18, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि उनकी माता एवं दादी श्रीमती कृष्णा देवी के द्वारा अनावेदकगण की माता श्रीमती चम्पा देवी से उनके स्वामित्व व हक की मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 4863 रकबा 0.07 एकड़ में से 0.05 एकड़ को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 08/11/1962 एवं नजूल प्लॉट 4863/2 रकबा 0.05 एकड़ में से 0.03 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र तथा नजूल प्लॉट 4863 के शेष रकबा 0.02 एकड़ को भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 29/06/1978 के द्वारा क्रय किया है। उक्त विक्रय पत्र के आधार पर विभिन्न राजस्व प्रकरण दर्ज किया गया था, जिसमें अनावेदिका रीता देवी के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत करने के कारण प्रकरण निरस्त कर दिया गया था। पंजीबद्ध विक्रय पत्र को निरस्त करने हेतु अनावेदकगण के द्वारा माननीय द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश महोदय, अम्बिकापुर के न्यायालय में व्यवहार वाद क्रमांक 31अ/1990 दिनांक 01/03/1988 प्रस्तुत किया गया था, जो अनावेदकगण के अनुपस्थित रहने के कारण निरस्त कर दिया गया है। अनावेदकगण के द्वारा पुनः दिनांक 02/07/2018 को माननीय प्रथम व्यवहार न्यायाधीश महोदय वर्ग-2 के न्यायालय में व्यवहार वाद क्रमांक 131अ/2012 संस्थित किया गया परन्तु अनावेदकगण के प्रकरण के लंबनकाल में अनुपस्थित रहने के कारण प्रकरण दिनांक 28/09/2021 को निरस्त किया जा चुका है। इस प्रकरण पंजीबद्ध विक्रय पत्र वर्तमान में शून्य नहीं कराया जा सका है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदकगण का नाम दर्ज किये जाने बावत् आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21/12/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/11/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

एक्शन मोड में कलेक्टर कई विभागों के अधिकारियों को आया पसीना

- संवाददाता -
कोरबा , 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर संजीव झा ने जब बीच बैठक में कहा के अमृत आप पीयेंगे और विष यहां के लोगज.ऐसा नही होगा,आप अपना काम नही करेंगेज तो हमको अपना काम पता हैं द्ध पर्यावरण संरक्षण और पावर प्लांटो की मनमानी पर कलेक्टर संजीव झा एक्शन में नजर आये। कलेक्टोरेट में हुए बैठक में कलेक्टर ने ऐश यूटिलाइजेशन और परिवहन के मुद्दे पर गहरी नाराजगी जताते हुए अफसरों को चेताते हुए कहा कि, अमृत आप पीयेंगे और विष कोरबा के लोगों के लिए फेंक देंगेज्ऐसा नही चलेगा। शहर में कही भी किसी की जमीन पर अगर बिना अनुमति के राख डंप किया, तो अब खैर नही होगी। ऐसे लोगों के खिलाफ अब स्नद्बक्र दर्ज करायी जायेगी। कलेक्टर यहीं नही रूके उन्होने बालको प्रबंधन पर भी गहरी नाराजगी जताते हुए जमकर फटकार लगायी। कलेक्टर संजीव झा के इस तेवर को देखने के बाद पॉवर प्लांट के अफसरों के बीच हड़कंप मचा हुआ हैं। गौरतलब हैं कि कोरबा जिला की पहचान पॉवर हब के रूप में की जाती हैं। लेकिन इसी कोरबा जिला को सर्वाधिक प्रदूषित शहरों के रूप में भी पहचाना जाता हैं। पावर प्लांटों से होने वाले प्रदूषण के साथ ही संयंत्र से निकलने वाले राख की

उपयोगिता को लेकर कलेक्टर संजीव झा ने कलेक्टोरेट में समीक्षा बैठक ली । इस बैठक में पर्यावरण विभाग, एनटीपीसी, बालकों, लैंको, सीएसईबी के अफसर मौजूद रहे। बैठक शुरू होते ही सबसे पहले कलेक्टर संजीव झा ने एक-एक कर अधिकारियों से उनके संयंत्रों से निकलने वाले राख और उसकी उपयोगिता की जानकारी ली। अफसरों ने भी कागजी आकड़े बताकर अपने कर्तव्यों की जानकारी प्रशासन के समक्ष रख दी। लेकिन इसके बाद जब कलेक्टर ने जमीनी हकीकत जानना शुरू किया तो अधिकारियों के पसीने छूटने लगे। फ्लाई ऐश यूटिलाईजेशन के सवाल पर कलेक्टर ने साफ किया कि एसईसीएल की खदान और सड़को के निर्माण में ऐश सप्लाई कर आप अपने दायित्वों से नही बच सकते। अगर संयंत्र से राख निकल रहा है, तो उसके सत प्रतिशत निपटारे की जिम्मेंदारी भी आपकी ही हैं। कलेक्टर संजीव झा ने बैठक में साफ किया कि ऐसा बिल्कुल भी बर्दाश्त नही किया जायेगा कि आप अमृत पियेंगे और विष कोरबा के लोगों के लिए फेंक देंगे। कलेक्टर ने पावर प्लांट के अफसरों को सुझाव देते हुए बताया कि ऐश यूटिलाइजेशन के लिए भू-विस्थापितों को फ्लाई ऐश ब्रिक्स का यूनिट लगाकर दिया जाना चाहिए। जिससे राख की उपयोगिता के साथ ही प्रभावित लोगों को रोजगार के अवसर दिये जा सके।

सभी कर्मचारियों का देना होगा डेटा अपडेशन पूर्णता प्रमाण-पत्र

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कार्मिक संपदा सॉफ्टवेयर में सभी कर्मचारियों का डेटा अपडेशन कराकर पूर्णता प्रमाण पत्र माह दिसंबर के वेतन देयक के साथ कोषालय में जमा करना होगा। बिना पूर्णता प्रमाण पत्र के वेतन देयक कोषालय में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिला कोषालय अधिकारी ने समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से आने अधीनस्थ सभी कर्मचारियों का डेटा अपडेट करने का आग्रह किया है।

वनडे रैंकिंग में विराट कोहली और रोहित शर्मा को हुआ नुकसान, चमके शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर

दुबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला समाप्त हो चुकी है। इस श्रृंखला में बस एक ही मुकाबला खेला गया था। बाकी के दो मुकाबले रद्द हो गए। पहले मुकाबले में भारत को हार मिली थी। अब आईसीसी की ओर से वनडे रैंकिंग जारी कर दी गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल की बल्लेबाजी अच्छी रही जिसका फायदा उन्हें मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। ताजा रैंकिंग के मुताबिक श्रेयस अय्यर को छह पायदान का फायदा हुआ है और वह 27 वें पायदान पर पहुंच गए हैं। जबकि शुभमन गिल तीन पायदान की छलांग के बाद 34वें स्थान पर हैं। शिखर धवन को दो पायदान का नुकसान हुआ है। हालांकि उन्होंने पहले मुकाबले में एक अर्धशतक जरूर जमाया था।

टी20 विश्व कप के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली को आराम दिया गया था। इसका नतीजा उनके वनडे रैंकिंग पर भी देखने को मिला है। दोनों को एक-एक पायदान का नुकसान हुआ है। विराट कोहली जहां आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं तो वहीं रोहित शर्मा नौवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के टॉम लैथम और केन विलियमसन को भी रैंकिंग में सुधार हुआ है। टॉम लैथम ने पहले मुकाबले में शानदार शतक जड़ा था। टॉम लैथम की बल्लेबाजी की ही बदौलत न्यूजीलैंड ने 300 से ज्यादा रन के लक्ष्य को हासिल करने में सफलता पाई थी। टॉम लैथम 10 पायदान की उछाल के साथ 18वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, पहले वनडे में 94 रनों की पारी खेलने वाले केन विलियमसन शिर्ष 10 में पहुंच गए हैं।

पहली महिला रैफरी के रूप में विश्व कप के इतिहास रचेंगी फ्रेपार्ट

दोहा (एजेंसी)। फ्रांस की रैफरी स्टेफनी फ्रेपार्ट कतर में गुरुवार को जर्मनी और कोस्टा रिका के बीच मुकाबले के साथ पुरुष विश्व कप में रैफरी की भूमिका निभाने वाली पहली महिला बनेंगी। फीफा ने फ्रेपार्ट के सहायक के रूप में भी दो महिलाओं को चुना है जो ब्राजील की न्यूजा बैक और मैक्सिको की करेन डियाज मेडिना हैं। इस तरह इस मुकाबले में मैदानी अधिकारी की भूमिका में तीनों महिलाएं होंगी। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा द्वारा चुनी गई चौथी महिला मैच अधिकारी अमेरिका की कैथरीन नेसबिट भी अब वायर स्टेडियम में वीडियो समीक्षा टीम के साथ ऑफ साइड विशेषज्ञ की भूमिका निभाएंगी। दो अन्य महिलाएं, रवांडा की सलीमा मुकानसांगा और जापान की योशिमी यामाशिता भी कतर में मुकाबलों में रैफरी की भूमिका निभाने वालों की फीफा सूची में शामिल हैं। फीफा ने कतर में खेले जाने वाले 64 मुकाबलों में से 44 मुकाबले के लिए ऐतिहासिक नियुक्तियां की हैं। फ्रेपार्ट इससे पहले चौथे अधिकारी की भूमिका निभा चुकी हैं। फ्रांस की 38 साल की फ्रेपार्ट को यूरोपीय फुटबॉल संस्था यूएफा ने पुरुष मुकाबलों में अधिकारी की भूमिका निभाने के लिए पदोन्नत किया है। फ्रेपार्ट ने विश्व कप क्वालीफायर और चैम्पियन्स लीग के अलावा इस साल फ्रेंच कप फाइनल के दौरान भी पुरुष मुकाबलों में रैफरी की भूमिका निभाई थी। वह फीफा के लिए 2019 महिला विश्व कप फाइनल में भी प्रभारी रह चुकी हैं।

पाकिस्तान जाकर भी सीरीज को लेकर सस्पेंस! अज्ञात वायरस की चपेट में आए इंग्लैंड के कई खिलाड़ी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। रावलपिंडी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम फिलहाल पाकिस्तान के दौरे पर है। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच 1 दिसंबर से टेस्ट मैच की सीरीज खेली जानी है। इसके लिए तैयारियां लगातार की जा रही थी। हालांकि, इंग्लैंड टीम पर एक ऐसा संकट आ गया है जिसकी वजह से सीरीज को लेकर सस्पेंस देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक इंग्लैंड के कई खिलाड़ी अज्ञात वायरस की चपेट में है। खबर तो यह है कि कप्तान बेन स्टोक्स के अलावा टीम के 13 अन्य खिलाड़ी भी इस वायरस की चपेट में है। फिलहाल इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के रावलपिंडी में है। इंग्लैंड के सभी खिलाड़ियों को आराम करने की सलाह दी गई है।

बताया जा रहा है कि यह खिलाड़ी पिछले दिनों से ही अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान में 17 साल में अपना पहला टेस्ट खेलेगी। प्रैक्टिस के लिए टीम के केवल 5 खिलाड़ी ही मैदान में पहुंचे। बाकी के सभी खिलाड़ी होटल में ही मौजूद रहे। इसका मतलब साफ है कि कहीं ना कहीं ज्यादातर खिलाड़ी इस अज्ञात वायरस की चपेट में है। फिलहाल टीम मैनेजमेंट ने इसको लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी है। यह भी नहीं बताया गया है कि इंग्लैंड के खिलाड़ी किस वजह से अस्वस्थ है और उनकी संख्या कितनी है। लेकिन फिलहाल जो कहा जा रहा है वह यही है कि कुछ खिलाड़ी अस्वस्थ है जिन्हें आराम करने के लिए होटल में ही रुकने की सलाह दी गई है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को श्रृंखला के लिए ट्रॉफी अनावरण का जो कार्यक्रम था, उसको भी टालना पड़ा। खबर के मुताबिक अब यह कार्यक्रम गुरुवार को टॉस से पहले ही कराया जाएगा। लेकिन सवाल अभी भी बरकरार है कि इंग्लैंड के खिलाड़ी कल तक कितने स्वस्थ हो पाएंगे। इंग्लैंड ने 2005 में पाकिस्तान का दौरा किया था। उसके बाद से अब तक टीम ने कोई दौरा नहीं किया है। इंग्लैंड को पाकिस्तान में तीन मैचों की श्रृंखला खेलनी है। पहले मैच के लिए टीम का ऐलान किया गया है जिसमें आल राउंडर लियाम लिविंगस्टोन पदार्पण करेंगे जबकि बेन डकेट जाक क्राउले के साथ पारी का आगाज करेंगे।

बारिश की वजह से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा एकदिवसीय मैच रद्द, भारत को 1-0 से श्रृंखला में मिली हार

नेपियर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला का तीसरा मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया है। इसके साथ ही तीन मैचों की श्रृंखला को भारत ने 1-0 से गवा दिया है। पहले मुकाबले में भारत को हार मिली थी जबकि दूसरा मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हुआ था। तीसरे मुकाबले में भी बारिश विलेन बनी जिसकी वजह से इसे रद्द करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.3 ओवर में सिर्फ 219 रन बनाए थे। भारत के सभी बल्लेबाज आउट हो गए थे। भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन वाशिंगटन सुंदर ने 51 बनाए थे। उन्होंने 64 गेंदों का सामना किया और 5 चौके और 1 छक्के जड़े।

वाशिंगटन सुंदर के अलावा श्रेयस अय्यर ने 49 रनों की 59 गेंदों में पारी खेली जिसमें 8 चौके शामिल थे। शिखर धवन के बल्ले से 28 रन निकले। जवाब में न्यूजीलैंड की शुरुआत काफी शानदार रही। न्यूजीलैंड में बारिश की वजह से मैच रोके जाने तक 18 ओवर में 1 विकेट पर 104 रन बना लिए थे। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 57 रनों की पारी खेली। वहीं, डेवोन कॉनवे 38 रनों पर आउट हुए। न्यूजीलैंड ने अपना पहला विकेट 97 रनों के स्कोर पर गवाया जब फिन एलन को सूर्यकुमार यादव के हाथों उमरान मलिक ने आउट कराया। भारत की ओर से 5 ओवर दीपक चाहर ने किए थे जिसमें उन्होंने 30 रन दिए। अर्शदीप सिंह ने 5 ओवर में 1 मेडन देकर 21 रन दिए। उमरान मलिक ने 5 ओवर में 31 रन दिए और एक सफलता हासिल की। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने 3 ओवर में 16 रन दिए।

प्लेयर ऑफ द सीरीज टॉम लैथम को घोषित किया गया है। इससे पहले न्यूजीलैंड से 0-1 से पिछड़ने के बाद श्रृंखला बचाने की कवायद में जुटे भारत के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें आधी टीम 25.3 ओवर में पवेलियन लौट चुकी थी। केवल वाशिंगटन सुंदर (64 गेंद में 51 रन, पांच चौके और एक छक्का) ही अर्धशतकीय पारी खेल सके जिसकी बदौलत टीम 200 रन का स्कोर पार कर पायी। इस स्पिन आल राउंडर ने पहले वनडे में भारत की सात विकेट पर 306 रन की पारी में 16 गेंद में नाबाद 37 रन बनाकर अपनी काबिलियत का नजारा पेश किया था, वह आउट होने वाले अंतिम खिलाड़ी रहे। उनसे पहले श्रेयस अय्यर (49 रन) अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और अपने पचासे से एक रन पहले आउट हो गये। बारिश के कारण रद्द हुए दूसरे वनडे में एडम मिल्ने नहीं खेले थे लेकिन इस मैच में उनकी वापसी हुई।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 42-30 से हराया

इंचियोन (दक्षिण कोरिया)। भारत की सीनियर महिला हैंडबॉल टीम ने 19वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में अपने चौथे लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को 42-30 से हराया। भारत की ओर से भावना ने सर्वाधिक 16 गोल दागे, जबकि मेनका ने 12 गोल किये। शालिनी ठाकुर ने आठ जबकि सोनिका ने पांच गोल का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेम्मा बर्के ने सर्वाधिक 11 गोल किये। इसके अलावा हैना ने सात और चोले वॉन ने पांच गोल दागे। मेनका को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया।

सानिया और शोएब की तलाक की खबरों के बीच आया रूमर्ड जीएफ आयशा का बयान, क्रिकेटर से शादी को लेकर खोला राज

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक पिछले काफी समय से तलाक को लेकर खबरों में बने हुए हैं। दोनों खिलाड़ियों की तलाक की खबरों के बीच पाकिस्तानी एक्ट्रेस आयशा उमर अपनी चुप्पी तोड़ी है। आयशा के साथ ही पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक का नाम जोड़ा जा रहा है। माना जा रहा है कि शोएब आयशा के अफेयर के कारण ही सानिया की शादी बर्बाद हुई है और दोनों तलाक ले रहे हैं। इसी बीच अब पाकिस्तानी अभिनेत्री और मॉडल आयशा उमर ने बयान दिया है। इस मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए आयशा ने फैंस को सारी सच्चाई भी बताई है। आयशा ने अपने और शोएब के रिश्ते की सच्चाई को दुनिया के सामने लाकर रख दिया है। आयशा ने कहा कि शोएब मलिक उनके दोस्त है। उन्होंने शोएब के साथ किसी तरह का अफेयर होने की खबर का खंडन करते हुए कहा कि वो दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। आयशा ने एक पोस्ट में कहा कि शोएब ने सानिया के साथ खुशी खुशी शादी की है, मैं इस कपल की इज्जत करती हूं। मैं और शोएब अच्छे दोस्त और शुभचिंतक है।

फीफा विश्व कप : क्रोएशिया बनाम बेल्जियम मुकाबले में अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका अहम

दोहा। बेल्जियम और क्रोएशिया की टीम फुटबॉल विश्व कप के महत्वपूर्ण मुकाबले में गुरुवार को जब आमने-सामने होगी तो नजरें दोनों टीम के अनुभवी खिलाड़ियों पर टिकी होंगी और इस मैच में युवा खिलाड़ियों को अधिक मौके देने की गुंजाइश नहीं होगी। चार साल पहले फाइनल में पहुंचने वाला क्रोएशिया और 2018 में तीसरे स्थान पर रहा बेल्जियम दोनों अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर काफी निर्भर करते हैं। क्रोएशिया के 20 साल के जोस्को ग्वारडियोल और 25 साल के निकोला व्लासिच तथा बेल्जियम के 21 साल के चार्ल्स डि केटेलेयर इसके अपवाद हैं। बेल्जियम के 21 साल के मिडफील्डर अमाडू ओनाना दो पीले कार्ड मिलने के कारण निलंबित हैं और इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। क्रोएशिया को फिजिकल ग्वारडियोल से काफी उम्मीद होगी जो टीम में सेंटर बैक के रूप में खेलते हैं। ऊंची कूद के पूर्व विश्व चैंपियन ब्लांका व्लासिच के छोटे भाई निकोला आम तौर पर अटैकिंग मिडफील्डर के रूप में खेलते हैं। क्रोएशिया की टीम हालांकि मिडफील्ड में लूका मोड्रिक, मार्सेलो ब्रोजोविच और माटियो कोवासिच पर अधिक निर्भर है और ऐसे में व्लासिच का इस्तेमाल विंगर के रूप में हो रहा है। क्रोएशिया ने अपना पहला मुकाबला मोरक्को से गोल रहित ड्रॉ खेला और अगले मैच में कनाडा को 4-1 से हराया। बेल्जियम की टीम भी अनुभवी स्ट्राइकरों एडेन हेजार्ड, केविड डि ब्रुन और रोमेलु लुकाकू पर काफी निर्भर करती है। क्रोएशिया की टीम जीत या ड्रॉ के साथ अंतिम 16 में जगह बना सकती है जबकि बेल्जियम को नॉकआउट में जगह सुनिश्चित करने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। क्रोएशिया और मोरक्को ग्रुप एफ में चार-चार अंक के साथ पहले दो स्थान पर है। बेल्जियम के तीन अंक हैं जबकि कनाडा की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है जिसने अभी खाता भी नहीं खोला है। अगर कनाडा मोरक्को हरा देता है तो संभावना है कि क्रोएशिया और बेल्जियम दोनों नॉकआउट में पहुंच जाएं।

भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-3 से हराकर किया उलटफेर

एडीलेड (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट में दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को बुधवार को यहां 4-3 से हराकर उलटफेर किया। शुरुआती दोनों मैचों में जीत दर्ज करने में नाकाम रहा भारत इस अप्रत्याशित सफलता के साथ श्रृंखला को जीवंत रखने में कामयाब रहा।

टीम के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (12वें मिनट), अभिषेक (47वें मिनट), शमशेर सिंह (57वें मिनट) और आकाशदीप सिंह (60वें मिनट) ने गोल किए। ऑस्ट्रेलिया के लिए जैक वेल्च (25वें), कप्तान एरान जालेवस्की (32वें) और नाथन इफ्राम्स (59वें) ने गोल दागे। इस जीत के बाद भारत श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ रहा है।

मेहमान टीम को पहले दो टेस्ट मैच में 4-5 और 4-7 से हार का सामना करना पड़ा था। श्रृंखला का चौथा मैच शनिवार और आखिरी मैच रविवार को खेला जाएगा।

उनादकट और मांकड़ चमके, सौराष्ट्र विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा

अहमदाबाद (एजेंसी)। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के चार विकेट और प्रेरक मांकड़ के ऑलराउंड प्रदर्शन से सौराष्ट्र ने बुधवार को यहां कर्नाटक को पांच विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। उनादकट ने कप्तान मयंक अग्रवाल (01) और विकेटकीपर बल्लेबाज बी आर शरत (03) को सस्ते में आउट करके सौराष्ट्र को अच्छी शुरुआत दिलाई जिसके बाद मांकड़ ने निकिन जोस (12) और मनीष पांडे (00) को चार गेंद में आउट करके 19 ओवर में कर्नाटक का स्कोर चार विकेट पर 47 रन कर दिया।

कर्नाटक के सात बल्लेबाज दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाए और पूरी टीम अंततः 49.1 ओवर में 171 रन पर सिमट गई।

इसके जवाब में पूर्व चैंपियन सौराष्ट्र ने जय गोहिल की 82 गेंद में 61 रन की पारी की बदौलत 36.2 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाकर जीत दर्ज की। गोहिल ने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। मांकड़ ने 35 रन की पारी खेली जबकि समर्थ व्यास ने भी 33 रन का योगदान दिया। मांकड़ ने गोहिल के साथ 53 रन की साझेदारी भी की। इससे पहले सलामी बल्लेबाज रविकुमार समर्थ ने 135 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 88 रन की पारी खेली लेकिन दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरते रहे। वह उनादकट के तीसरे शिकार बने।

उनादकट ने मैच के बाद कहा, 'यह शानदार अहसास है। जब हमने नॉकआउट चरण में जगह बनाई तो हम सही समय पर प्रभाव छोड़ना चाहते थे। इससे बेहतर नहीं हो सकता। गेंद और बल्लेबाज से शानदार प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि टॉस जीतने के बाद मुझे जल्दी विकेट चटकाने थे। इस टूर्नामेंट में मैंने जिस तरह गेंदबाजी की है उससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। दबाव बनने के बाद सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया।'

फीफा विश्व कप : कोस्टा रिका के खिलाफ जर्मनी को जीत की जरूरत

दोहा। विश्व कप फुटबॉल के अपने शुरूआती मैच में जापान के खिलाफ उलटफेर का शिकार होने के बाद स्पेन जैसी मजबूत टीम को बराबरी पर रोकने वाली जर्मनी की टीम गुरुवार को यहां कोस्टा रिका के खिलाफ ग्रुप ई के मैच के लिए मैदान में उतरेगी तो उसे नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए जीत के अलावा किस्मत के साथ की जरूरत होगी। जापान से हार के बाद लग रहा था कि 2014 की चैम्पियन जर्मनी की टीम का सफर 2018 की तरह इस बार भी ग्रुप चरण में खत्म हो जाएगा लेकिन स्पेन से 0-7 से हारने वाली कोस्टा रिका की टीम ने जापान को 1-0 से हराकर ग्रुप ई की तालिका को रोमांचक बना दिया। जर्मनी की टीम अगर कोस्टा रिका को हराती है तो वह राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई कर सकती है। इसके लिए उसे ग्रुप के दूसरे मैच में जापान के खिलाफ स्पेन की जीत की दुआ करनी होगी। जापान को हराने के बाद कोस्टा रिका के हौसले भी बुलंद है और वह कमजोर नजर आ रही जर्मनी के खिलाफ कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी और वह इस मुकाबले को ड्रॉ कर के भी अगले चरण में पहुंच सकती है। कोस्टा रिका के कोच लुइस फर्नांडो सुरेज ने टूर्नामेंट से पहले कहा था, ''हम कुर्सी पर बैठकर फोटो खिंचवाने के लिए कतर नहीं आये है।' स्पेन दो मैचों के बाद ग्रुप ई में चार अंकों के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद जापान और कोस्टा रिका दोनों तीन अंकों के साथ है, जबकि जर्मनी के पास सिर्फ एक अंक है। ऐसी परिस्थितियों में ग्रुप की चारों टीमों के पास अगले चरण के लिए क्वालीफाई करने का मौका है। जर्मनी के मिडफील्डर थॉमस मुलेर ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो अभी तक हमने ऐसा कुछ नहीं किया, जिसका जश्न मनाया जाए।' उन्होंने कहा, 'जब फुटबॉल जगत जर्मनी बनाम कोस्टा रिका मैच देखता है, तो मुझे लगता है कि बाहर से हम मैच जीतने के दावेदार है। यह स्पष्ट है कि हमें हर हाल में जीतना है। इसी से हम अपना सम्मान हासिल कर सकते है।'

फीफा विश्व कप : मोरक्को की निगाहें अगले दौर में पहुंचने पर

दोहा। मोरक्को की टीम गुरुवार को यहां होने वाले फीफा विश्व कप मुकाबले में कनाडा को हराकर 1986 के बाद पहली बार नॉकआउट चरण में प्रवेश करना चाहेगी। वहीं कनाडा की टीम पहले ही बाहर हो चुकी है, लेकिन उसकी कोशिश होगी कि पहली जीत के साथ कतर से जाए। मोरक्को की टीम गुरुवार की रात जीत या ड्रा से भी अगले दौर में पहुंच जाएगी। इसके अलावा वह हार के बावजूद भी नॉकआउट में पहुंच सकती है लेकिन यह बेल्जियम के क्रोएशिया के खिलाफ मैच के नतीजे पर निर्भर करेगा। मोरक्को ने क्रोएशिया के खिलाफ गोलरहित ड्रा से शुरुआत की थी जिसके बाद उसने रोमेन साइस और जकारिया अबूखलाल के गोल की मदद से दूसरी रैंकिंग की बेल्जियम को 2-0 से हराकर उलटफेर किया। कोच वालिद रेग्रागुई ने कहा, 'हमें हराना मुश्किल है। हमने दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ टीमों को कड़ी टक्कर दी। हमें यही प्रदर्शन जारी रखना होगा।' मोरक्को और कनाडा की टीम इससे पहले एक बार एक दूसरे के सामने हो चुकी है। मोरक्को ने 2016 में इस मैत्री मैच में 4-0 से जीत दर्ज की थी।

विश्व कप 2023 को लेकर शिखर धवन का आया बयान, कहा- बांग्लादेश दौरे से शुरू होगी तैयारी

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान शिखर धवन ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में टीम की हार के बाद कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों का मुकाबला भारत में अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारियों के हिसाब से 'अधिक व्यावहारिक दौरा' होगा। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मैच बारिश से धुल जाने के कारण भारत तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 0-1 से हार गया।

बारिश ने हालांकि भारत को श्रृंखला में बड़े अंतर से हारने से बचा लिया। जीत के लिए महज 220 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने 18 ओवर में एक विकेट 104 रन बना लिये थे। टीम डकवर्थ नियम प्रणाली से 50 रन आगे थी। मैच में अगर दो ओवर और (20 ओवर) हुए होते तो न्यूजीलैंड की जीत लगभग सुनिश्चित थी। धवन ने मैच के बाद कहा कि बांग्लादेश के आगामी दौरे पर सीनियर खिलाड़ियों की वापसी होगी। विश्व कप की तैयारियों के हिसाब से यह अधिक व्यावहारिक दौरा होगा। टीम में जूनियर खिलाड़ियों के बारे में पूछे जाने पर धवन ने कहा कि मैच के दौरान ऐसी चीजों को समझना जरूरी है कि गेंद को कहां पिच करना है और क्या लंबाई रखनी है। हम युवा टीम हैं और उन्होंने (युवा खिलाड़ियों) अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी करना सीख लिया होगा। हमने शॉर्ट गेंदें अधिक डाली। उन्होंने कहा कि जब परिस्थितियां अनुकूल ना तो हमें साझेदारी बनाने पर ध्यान देना होगा। इस दौरे पर छह मैचों (तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय) में से सिर्फ दो का नतीजा निकल सका। धवन ने उम्मीद जतायी की बांग्लादेश में मौसम अच्छा होगा। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने इस दौरान शानदार तरीके से टीम का नेतृत्व किया और चतुराई से अपने गेंदबाजों में बदलाव किया। उन्होंने कहा कि हम जब भी क्रिकेट खेलते हैं तब खुद से बेहतर करना चाहते हैं। बारिश से प्रभावित मैचों में भी हमने अच्छा किया। हम जानते थे कि 20 ओवरों पर ही नतीजा निकलेगा। पिछले कुछ सप्ताह से ऐसा मौसम हमारा पीछा कर रहा है।'' उन्होंने गेंदबाजों का समर्थन करते हुए कहा कि डेरिल मिशेल (25 रन पर तीन विकेट) लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। एडम मिल्ने (57 रन पर तीन विकेट) मामूली तौर पर चोटिल थे लेकिन लय में होने के कारण मैच खेलना चाहते थे। अब हमारा ध्यान आगामी टेस्ट श्रृंखला पर होगा।

कैमरून के गोलकीपर पर बड़ी कार्रवाई, फीफा विश्व कप से हुआ बाहर; भेजा स्वदेश

अल रेयान (कतर)। कैमरून के गोलकीपर आंद्रे ओनाना को कोच रिगोबर्ट सोंग के साथ हुए मतभेद के बाद अनुशासनात्मक कारणों से फीफा विश्व कप से स्वदेश भेज दिया गया। कैमरून फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इंटर मिलान के गोलकीपर को टीम से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया और यह निलंबन कतर में पूरे टूर्नामेंट के दौरान जारी रहेगा। महासंघ ने कहा कि उसने ओनाना की मिलान के लिए उड़ान का इंतजाम कर दिया है। ओनाना को मंगलवार को दोहा में हवाईअड्डे पर देखा गया। ओनाना ने भी एक बयान जारी कर कोच सोंग के साथ टीम की रणनीति को लेकर अपने मतभेद का जिक्र किया जिसके कारण उन्हें सोमवार को सर्बिया के साथ 3-3 ड्रा रहे मैच में नहीं खिलाया गया था।

भानु में काम Vs कांड

सीएम ने लिखा - जनता काम करने वाली सरकार को ताकत देने तैयार

भाजपा अध्यक्ष का पलटवार - छलावे में नहीं आएगी जनता

कांकेर/रायपुर, 30 नवम्बर 2022। भानुप्रतापपुर उपचुनाव में मतदान के लिए अब चार दिन शेष हैं। ऐसे में सीएम भूपेश बघेल के पहले चुनावी दौरे से माहौल गरमा गया है। सीएम भूपेश बघेल भानुप्रतापपुर उपचुनाव के ऐलान के बाद पहली बार भानुप्रतापपुर पहुंचे हैं। वे आज चार आमसभाओं को संबोधित करेंगे। सीएम ने भानुप्रतापपुर पहुंचने के बाद सभास्थल की तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा, अभी-अभी भानुप्रतापपुर पहुंचा हूं। क्षेत्र की जनता काम करने वाली सरकार को ताकत देने और कांड करने वालों को जवाब देने के लिए तैयार है। 5 दिसंबर का दिन होगा, पंजा चुनाव चिह्न होगा।

इस पर पलटवार करते हुए भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा, अब तक मुख्यमंत्री भानुप्रतापपुर उपचुनाव से दूर रहकर भाजपा प्रत्याशी ब्रह्मानंद नेताम के विरुद्ध राजनीतिक षड्यंत्र रचने में व्यस्त थे। अब कूटरचित षड्यंत्र को सफल समझने का भ्रम उनके मस्तिष्क में घर कर गया है और जनता से मुंह छिपाने वाले मुख्यमंत्री झूठ का मायाजाल दिखाने भानुप्रतापपुर का रुख करने वाले हैं तो वे यह अच्छी तरह समझ लें कि उनकी असलियत छत्तीसगढ़ की जनता के साथ साथ भानुप्रतापपुर के जन-जन के सामने आ चुकी है। अब भानुप्रतापपुर की जनता उनके किसी भी बहकावे व छल प्रपंच में फंसने वाली नहीं है।

साव ने कहा कि सीएम भूपेश बघेल ने चार साल तक भानुप्रतापपुर के विकास को बाधित किया। चार साल पहले छत्तीसगढ़ की जनता को झूठे वादे करके सत्ता में आने वाले बघेल ने जनता के विश्वास के साथ सिर्फ वादाखिलाफी का खेल खेला है। विधानसभा में जब उनके कामकाज का ब्यौरा पूछा जाता है तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता। जनता के सामने झूठ पर झूठ बोलने में विश्व कीर्तिमान स्थापित करने में जुटे मुख्यमंत्री की बोलती वहां बंद हो जाती है, जहां उन्हें प्रमाणित तथ्यों के आधार पर जवाब देना होता है।

बीपीएल से घरेलू श्रेणी में परिवर्तित 3 लाख 42 हजार उपभोक्ताओं को अतिरिक्त सुरक्षा निधि के भुगतान में राहत

रायपुर , 30 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को बीपीएल से घरेलू श्रेणी में परिवर्तित हुए उपभोक्ताओं से अतिरिक्त सुरक्षा निधि को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों पर समुचित विचार कर प्रबंध निदेशक ने निर्देश दिये हैं कि ऐसे सभी उपभोक्ता जो पहले बीपीएल श्रेणी में आते थे और जिनकी खपत बढ़ने से वे अब सामान्य घरेलू श्रेणी के उपभोक्ता में परिवर्तित हो गए हैं, उनके बिल में जोड़ी गई अतिरिक्त सुरक्षा निधि की राशि को अभी वसूल नहीं किया जाएगा।

इस श्रेणी के उपभोक्ताओं के संबंध में स्पष्टता न होने के कारण छत्तीसगढ़ राज्य नियामक आयोग से दिशा-निर्देश प्राप्त किये जाएंगे। इस फैसले से बड़े वर्ग को राहत मिलेगी, जिनके बिल में अतिरिक्त सुरक्षा निधि जोड़ी गई थी। ऐसे जिन उपभोक्ताओं ने अतिरिक्त सुरक्षा निधि सहित अक्टूबर माह में बिल जमा कर दिया है, उनके आगामी बिल में समायोजन कर दिया जाए।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक मनोज खरे ने बताया कि बीपीएल से एपीएल उपभोक्ताओं की श्रेणी में पहुंच चुके ऐसे लगभग 3 लाख 42 हजार उपभोक्ताओं को इससे राहत मिलेगी। कंपनी प्रबंधन उनके अतिरिक्त सुरक्षा निधि के लिए राज्य विद्युत नियामक आयोग से निर्देश प्राप्त करेगा, जिसके बाद उनके अतिरिक्त सुरक्षा निधि की वसूली पर निर्णय लिया जाएगा।

एड्स के प्रति जागरूक करने को 1 से 15 दिसंबर तक चलेगा जागरूकता पखवाड़ा

रायपुर, 30 नवम्बर 2022। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 1 से 15 दिसंबर तक विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में एड्स जागरूकता पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया जाएगा। पखबाड़े के दौरान स्वास्थ्य विभाग एचआईवी एड्स को लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करेगा। इसके साथ ही एआरटी सेंटर द्वारा भी एचआइवी पाजिटिव मरीजों का उपचार करने के साथ ही उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास पर जोर दिया जायेगा। राज्य के एनएफएचएस-5 के आंकड़ों में यह बात सामने आई है कि राज्य में पहले जहाँ 20 प्रतिशत महिलाए ही एचआईवी एड्स के बारे में जानती थी वहीं अब 23 प्रतिशत महिलाओं को एचआईवी एड्स के बारे में पर्याप्त जानकारी है। इसके अतिरिक्त पहले 57 प्रतिशत महिलाएं ही जानतीं थीं कि शारीरिक संबंध के दौरान कंडोम के प्रयोग से एचआईवी एड्स से बचा जा सकता है वहीं अब लगभग 76 प्रतिशत महिलाओं को इस बारे में पता है। विश्व एड्स दिवस के बारे में सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया, यह बीमारी और न बढ़े इसके लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसीलिए अधिक से अधिक मरीजों का एचआईवी टेस्ट करके उनका रजिस्ट्रेशन एआरटी सेंटर में कराया जा रहा है, जिससे वह सही उपचार लेकर एक बेहतर जीवन जी सकें।÷ एचआईवी यानि एड्स एक ऐसा वायरस है जो हमारी शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है। इससे तरह तरह की बीमारियां लोगों को जल्द ही घेर लेती हैं। इसी अवस्था को एड्स कहते हैं।

सत्यनारायण और पंकज शर्मा के नेतृत्व में पुरा बीरगांव नगर निगम क्षेत्र बन गया अपराधगढ़:बेदराम साहू

रायपुर, 30 नवम्बर 2022। रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा को उनके वायदों को याद दिलाने छत्तीसगढ़ महतारी अधिकार मंच के अध्यक्ष बेदराम साहू के द्वारा बिरगांव में वादा निभाओ जन रैली निकाली जा रही है। इस रैली के तीसवें दिन बेदराम साहू के नेतृत्व में बीरगांव के बजरंग नगर , जागृति नगर अपना वादा निभाओ रैली निकाली गई। इस दौरान विधायक शर्मा के पुत्र पंकज शर्मा को जनता को बेवकूफ बनाने बताया गया।

छत्तीसगढ़ महतारी अधिकार मंच के 'सत्यनारायण शर्मा अपना वायदा निभाओं' जन रैली के तीसवें दिन बिरगांव के बजरंग नगर, जागृति नगर पहुंचकर विधायक शर्मा और उनके पुत्र पंकज शर्मा जो रायपुर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

मंच के अध्यक्ष बेदराम साहू ने कहा की शराब बंदी के लिए सायकिल यात्रा निकालने वाले विधायक के पुत्र पंकज शर्मा अब दोबारा जनता को बेवकूफ बनाने के लिए भारत जोडो यात्रा निकाल रहे है। लेकिन उनके ही संरक्षण में हर गली मोहल्ले मे नशा का खुलेआम गोरख धंधा चला जा रहा है। साथ हीं लूटपाट व मारपीट की घटनाएं आम हो चुकी है।

उन्होंने आगे कहा, यहाँ हर महीने हत्या जैसे वारदात हो रही है। इन चार वर्षो मे पुरा बीरगांव नगर निगम क्षेत्र आपराध गढ बन गया है। वहीं पुरे क्षेत्र में उद्योगपतियों को खुली छूट देने के कारण बिरगांव में प्रदूषण के जहरीले वातावरण निर्मित हो चुका है। महतारी मंच के कार्यकर्तुता ने बताया की रहवासियों ने कहा की ने भी शराब बंदी समेत अन्य वायदे पिता पुत्र मिलकर नहीं कर पा रहे है।

मंडावी और पटेल को श्रद्धांजलि देने के बाद स्थगित हो जाएगी पहले दिन की विधानसभा कार्यवाही,आरक्षण पर चर्चा

रायपुर, 30 नवम्बर 2022। विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन गुरुवार को डिप्टी स्पीकर मनोज मंडावी और पूर्व विधायक दीपक पटेल को श्रद्धांजलि के बाद पहले दिन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। अनुपूरक बजट और आरक्षण विधेयक पर चर्चा दूसरे दिन होगी। इसी दिन अनुपूरक बजट भी पारित किया जाएगा। साथ ही, यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि शासकीय कार्य पूरे होने के कारण अब अलग से शीत सत्र का आयोजन नहीं किया जाएगा, सीधे बजट सत्र का आयोजन होगा। हालांकि इसे लेकर विधानसभा सचिवालय की ओर से कोई संकेत नहीं मिले हैं।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के फैसले के बाद आरक्षण के मामले में सरकार के सामने विकट स्थिति बन गई थी। आदिवासी समाज की नाराजगी के साथ-साथ बड़ी संख्या में युवाओं का भविष्य भी अंधेरे में था, क्योंकि आरक्षण की स्थिति स्पष्ट नहीं होने के कारण नई भर्तियां, कॉलेज में एडमिशन भी प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए राज्यपाल अनुसुइया उइके की पहल पर दो दिन के विशेष सत्र का आयोजन किया जा रहा है। एक दिसंबर को पहले दिन की जो कार्यसूची है, उसमें डिप्टी स्पीकर रहे स्व. मंडावी व पूर्व विधायक पटेल को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके अलावा मानसून सत्र के अपूर्ण उत्तरों को रखा जाएगा। सीएम भूपेश बघेल द्वितीय अनुपूरक अनुमान रखेंगे। द्वितीय अनुपूरक 13-1400 करोड़ के आसपास होने का अनुमान है। इसमें पांच नए जिलों के लिए सेटअप, सीएम द्वारा भेंट मुलाकात में की गई घोषणाओं के लिए मंजूरी, जल जीवन मिशन में राशि आदि शामिल हैं। इसके बाद सीएम दो विधेयक पेश करेंगे। इसमें छत्तीसगढ़ लोक सेवा संशोधन विधेयक और छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्था प्रवेश में आरक्षण संशोधन विधेयक शामिल है।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में 2 जवान हुए घायल

बीजापुर, 30 नवम्बर 2022। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलियों की नापाक हरकत जारी है. इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है. पुलिस नक्सली मुठभेड़ में 2 पुलिस जवान घायल हो गए हैं. मिली जानकारी के मुताबिक स्पाइक होल की चपेट में आने से एक इंस्पेक्टर और एक जवान घायल हो गया है. उसूर थाना क्षेत्र के नम्बी गलगम इलाके में मुठभेड़ जारी है.

बताया जा रहा है कि पुलिस के जवानों ने हथियार बरामद की है. डीआरजी, CRPF और कोबरा बटालियन के जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ चल रही है. नेलाकांकेर, टेकमेटला, भुसापुर की ओर जवानों की संयुक्त टीम निकली थी. कल इसी इलाके में नक्सलियों की आईडी की चपेट में एक CRPF का जवान आया था।

रायपुर में सौतेली मां पर जानलेवा हमला,फरार गिरफ्तार

रायपुर, 30 नवम्बर 2022। प्रार्थी चेतन कुमार देवांगन ने थाना डी.डी.नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी मां शोभा राजपूत वृंदावन कालोनी, चंगोराभाठा डी.डी. नगर रायपुर में अकेली रहती है। रात्रि करीबन 09.30 बजे प्रार्थी की मां को दिव्येन्द्र सिंह राजपूत द्वारा जान से मारने की नियत से किसी धारदार वस्तु से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाया गया था। प्रार्थी की मां ने प्रार्थी को बताया था कि उसके दूसरे पति स्व. धनसिंग राजपूत के पुत्र दिव्येन्द्र सिंह राजपूत के द्वारा पुराने वाद विवाद को लेकर वह उसे जान से मारने की नियत से किसी धारदार वस्तु से वार किया था। जिस पर आरोपी के विरूद्ध थाना डी.डी.नगर में अपराध क्रमांक 44/22 धारा 307 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। चूंकि प्रकरण का आरोपी दिव्येन्द्र सिंह राजपूत दिनांक घटना से फरार हो गया था।

लगातार फरार चल रहा था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी डी.डी.नगर के नेतृत्व में थाना डी.डी.नगर पुलिस की टीम द्वारा आरोपी की लगातार पतासाजी की जा रहीं थी। इसी दौरान टीम के सदस्यों को आरोपी की उपस्थिति के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी दिव्येन्द्र सिंह राजपूत को पकड़ने में सफलता मिली। पूछताछ में आरोपी द्वारा पुराने विवाद को लेकर अपनी सौतेली मां शोभा राजपूत की हत्या करने की नियत से गण्डासा से वार कर जानलेवा हमला करना बताने के साथ ही आरोपी द्वारा घटना में प्रयुक्त गण्डासा हथियार को किसी अज्ञात स्थान पर फेंकना बताया गया। जिस पर आरोपी दिव्येन्द्र सिंह राजपूत को गिरफ्तार कर साक्ष्य छिपाने पर उसके विरूद्ध प्रकरण में धारा 201 भादवि. भी जोड़ी जाकर कार्यवाही की गई।

मोटर सायकल से अंबेडकर चौक में किया स्टंटबाजी,युवक गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 30 नवम्बर 2022। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा मोटर सायकल से अम्बेडकर चौक बलौदाबाजार में स्टंट करने वाले वाहन चालक पर की गई कार्यवाही। सिटी सर्विलांस सिस्टम के माध्यम से शहर में लगे CCTV कैमरों से हुई स्टंटबाज वाहन चालक की पहचान। बलौदाबाजार शहर के अम्बेडकर चौक में एक व्यक्ति दोनो हाथ छोडकर खतरनाक ढंग से स्टंट करते हुए बाइक चलाते पाया गया। सिटी सर्विलेंस सिस्टम के माध्यम से शहर में लगे CCTV फुटेज में व्यक्ति की पहचान कराई गई।

जिसमें स्टंटबाज लोकेश चतुर्वेदी पिता सोमनाथ चतुर्वेदी उम्र 26 साल निवासी बोईरडीह थाना सिटी कोतवाली का होना पाया गया, जिसे पुछताछ करने पर स्टंट करना स्वीकार किया और समझाईश देने पर भविष्य में कभी भी इस तरह से जोखिम भरा स्टंट नही करने कहा। लोकेश चतुर्वेदी के खिलाफ मोटर सायकल से खतरनाक ढंग से वाहन चलाना पाये जाने के साथ-साथ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 194(घ), 184, 130(3)/177, 119/177, 50(2)/177 Mv Act के तहत कार्यवाही कर 3000 जुर्माना किया गया है। आम लोगो से अपील- यातायात नियमो का पालन करे और स्वयं को तथा रोड पर चलने वाले अन्य व्यक्तियो को सुरक्षित रखें।

कांग्रेस के षड्यंत्रों का जवाब जनता कमल खिलाकर देगी:ब्रम्हानंद नेताम

भानुप्रतापपुर, 30 नवम्बर 2022। महिलाओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश करते हुए कहा कि हमारा घर अभी तक अधूरा का अधूरा है जब से भूपेश बघेल कि सरकार बनी है तब से योजना के नाम पर हमे सिर्फ ठगा गया है। श्री नेताम ने करीब दो दर्जन गांव में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा, डोर टू डोर जनसंपर्क और कार्यकर्ताओं से मिलते हुए कोड़ेखुरसे साप्ताहिक बाजार पहुंचे जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। कोड़ेखुरसे में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में विशाल जनसभा को संबोधित किया।

प्रपंच और षड्यंत्र रचकर हमारे विजय रथ रोकने का प्रयास

ब्रम्हानंद नेताम ने कोड़ेखुरसे की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए भूपेश सरकार पर जमकर बरसे। नेताम ने कहा कांग्रेस ने अपनी हार का अंदेशा पाते ही मेरे जैसे सीधे-साधे आदिवासी, किसान के बेटे पर इतना बड़ा लांछन लगा दिया। तरह-तरह के प्रपंच और षड्यंत्र रचकर मेरे विजय रथ को रोकने का प्रयास कर रहे है लेकिन जनता इनकी सच्चाई जान चुकी है। मैं जहां भी जाता हूं कांग्रेसियों के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा देखने मिलता है। कांग्रेसियों को गांव-गांव से भगाया जा रहा है। आदिवासी समाज आक्रोशित है। यही कारण है कांग्रेस कूटनीतिक नीचता पर उतारू होकर स्तरहीन राजनीति कर रही। इसका जवाब जनता 5 दिसंबर को कमल के फूल में बटन दबाकर देगी।

भूपेश बघेल सरकार से पूछे तीखे सवाल

ब्रम्हानंद नेताम ने कहा जनता को मुद्दों से भटकाने के लिए कार्यकर्ताओं के मनोबल को कम करने के लिए ऐसा आरोप और दुष्प्रचार किया। मैं रोज़ सुबह से शाम प्रचार जनसंपर्क और हाट बाजारों का दौरा कर रहा हुं। भारी जनसमर्थन से अभिभूत हूं। कांग्रेस चाहे कितनी भी नीचता पर उतर जाए हम सकारात्मक जनमुद्दों की राजनीति करते रहेंगे। उन्होंने कहा घटिया राजनीति करे लेकिन मेरे सवालों के जवाब भी दीजिए जनता जानना चाहती है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान क्यों नही बने? घर घर नल जल क्यों नही पहुंचा? बिजली के बिल दोगुने क्यों हुए? सड़क क्यों नही बने?

जब गर्लफ्रेंड के साथ रूम में पकड़ाया पति,पत्नी ने किया जमकर हंगामा

रायपुर, 30 नवम्बर 2022। राजधानी के एक होटल में एक पति-पत्नी और प्रेमिका के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। पतिअपनी प्रेमिका के साथ होटल में ठहरा हुआ था था। वहीं इस दौरान उसकी पत्नी वहां पहुँच गयी और कमरे का दरवाजा खुलवा जमकर हंगामा मचाया। जिसके बाद महिला के पति व गर्लफ्रैंड ने मिलकर महिला की जमकर पिटाई कर दी और होटल से फरार हो गए। पुलिस ने महिला की शिकायत पर उसके पति और पति के प्रेमिका के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। मामला देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है।

पार्किंग में दिखी पति की गाड़ी

काली नगर राजा बाड़ा निवासी असलम कुरैशी पेशे से ट्रांसपोर्टर है। उनकी पत्नी तरन्नुम कुरैशी ने पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाते हुए बताया कि उनके पति 3 माह से घर आना जाना बंद कर दिए है। पता लगाने पर पता चला कि वंदना सिंह नाम की लड़की के साथ उनका चक्कर है और उसी के साथ होटल में रहते हैं। तरन्नुम 27 तारीख को दोपहर 12 बजे से 1 के बीच पंडरी कपड़ा मार्केट में निजी होटल के पास से जा रही थी कि तभी उन्हें होटल की पार्किंग में अपने पति की स्विफ्ट डिजायर कार खड़ी दिखी। तरन्नुम अपने पति की कार देखकर सिमरन होटल पहुँची और रिसेप्शन पर पूछताछ की। तब पता चला कि उनके पति असलम कमरा नंबर 311 में किसी लड़की के साथ रुके है।

तब तरन्नुम ने जाकर कमरे के दरवाजे को खटखटाया, काफी देर तक दरवाजा पीटने के बाद उनके पति ने दरवाजा खोला तो कमरे में उसके पति के साथ उसकी प्रेमिका वंदना सिंह भी थी। पति के साथ दूसरी लड़की को देखकर तरन्नुम कुरैशी ने उसे समझाइश देने का प्रयास किया। पर दोनो पक्षो के बीच बहस बढ़ गयी। और महिला को उसके पति असलम व उसकी प्रेमिका वंदना सिंह ने गंदी गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी साथ ही हाथ मुक्कों से मारपीट कर दी।

पति और गर्लफ्रेंड फरार

तरन्नुम ने पुलिस के पास दर्ज शिकायत में बताया है कि उसने अपनी जान बचाने के लिए शोर मचाया तो आवाज सुन कर होटल के स्टाफ के लोग आए और बीच बचाव किया। इस बीच मौका पाकर असलम व उसकी गर्लफ्रेंड होटल से फरार हो गए। वंदना सिंह ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया है कि मारपीट से उनके चेहरे व गले मे चोट लगी है। देवेंद्र नगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर उसके पति व उसकी प्रेमिका के खिलाफ गाली गलौच,जान से मारने की धमकी के साथ ही मारपीट की एफआईआर दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)